निष्पक्ष समाचारों का निर्भीक दैनिक | भोपाल से प्रकाशित | आर.एन.आर. क्रं. 52009/90

जनचिंगारी

वर्ष : 37, अंक : 232 | www.janchingari.com | भोपाल, शुक्रवार 09 जनवारी, 2026 | पृष्ठ : 8, मूल्य : 1.50 रूपये

भारत, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत टैरिफ की धमकी

ट्रंप की नई चाल से हिल गया भारत का शेयर बाजार

- सेंसेक्स 780 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे
- निवेशकों के 8.11 लाख करोड़ स्वाहा...
- रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़े बिल को ट्रम्प की मंजूरी, अगले हफ्ते संसद में वोटिंग, भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

नई दिल्ली/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर भारत, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। अमेरिका के इस कदम का असर भारतीय शेयर बाजार में दिखा। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक या 0.92 प्रतिशत गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.90 अंक या 1.01 प्रतिशत गिरकर 25,876.85 पर बंद हुआ। बीएसई के मार्केट कैप के आधार पर निवेशकों की संपत्ति में पिछले सत्र के 479.94 लाख करोड़ रुपये से 8.11 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 471.82 लाख करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियों के कारण बाजार सूचकांकों पर दबाव बना रहा। गौरतलब है कि रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि व्हाइट हाउस में उनकी ट्रम्प से मुलाकात हुई, जिसमें राष्ट्रपति ने बिल को हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था। इसे अगले हफ्ते संसद में वोटिंग के लिए लाया जा सकता है। इस बिल का नाम सेंक्शनिंग ऑफ रशिया एक्ट 2025 है। इसका मकसद उन देशों पर दबाव बनाना है, जो यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि इससे रूस को युद्ध लडने् में मदद मिल रही है।

सेंसेक्स चार दिन में 1600 अंक टूटा

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को बड़ी गिरावट आई है। सेंसेक्स और निफ्टी 50 में लगातार चौथे दिन भी गिरावट जारी रही। सिर्फ 4 दिन के दौरान ही शेयर बाजार से 1600 से ज्यादा अंक टूट गए हैं। वहीं निफ्टी में भी 2 फीसदी तक की गिरावट आई यानी करीब 400 अंक निफ्टी टूटा है। 2 जनवरी को सेंसेक्स 85,762.01 पर बंद हुआ था और 8 जनवरी को सेंसेक्स 84,180 पर क्लोज हुआ यानी करीब 1600 अंकों की गिरावट आई है। इसी तरह, निफ्टी 4 करोबारी दिनों के दौरान 400 अंक गिरकर 25876 पर बंद हुआ है।

पीएम जल्द ही पूरे भारत में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए शुरू करेंगे कैशलेस इलाज योजना: गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस इलाज योजना की औपचारिक शुरुआत करेंगे। इस योजना का उद्देश्य सड़क हादसों के बाद समय पर इलाज न मिलने से होने वाली मौतों को कम करना है।

14 मार्च 2024 को सड़क परिवहन मंत्रालय ने चंडीगढ़ में इस योजना का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था, जिसके तहत सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को बिना किसी अग्रिम भुगतान के इलाज की सुविधा दी गई। बाद में इस योजना को छह राज्यों तक विस्तार दिया गया। अब सरकार इसे पूरे देश में लागू करने की तैयारी कर रही है।

गडकरी ने यह जानकारी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इस बैठक में सड़क सुरक्षा, यात्रियों और आम जनता की सुविधा, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ऑटोमोबाइल नियमों से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

कैशलेस इलाज योजना का दायरा और लाभ

कैशलेस ट्रीटमेंट ऑफ रोड एक्सीडेंट विक्टिम्स स्कीम, 2025 के तहत सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को प्रति दुर्घटना अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। यह सुविधा दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिनों तक मान्य होगी। योजना किसी भी श्रेणी की सड़क पर मोटर वाहन के इस्तेमाल से हुई दुर्घटनाओं पर लागू होगी।

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया को मिला नया ड्रीमलाइनर

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी एयर इंडिया ने करीब चार साल पहले एयरलाइन के प्राइवेट होने के बाद पहला बोइंग 787-9 एयरक्राफ्ट डिलीवर किया है। यह एयरलाइन के लिए पहला लाइन फिट या कस्टम-मेड ड्रीमलाइनर भी है। आम तौर पर, लाइन फिट का मतलब एक ऐसा एयरक्राफ्ट होता है जो खास तौर पर किसी खास एयरलाइन के लिए बनाया गया हो।समाचार एजेंसी के अनुसार, एयर इंडिया ने 7 जनवरी को सिएटल में बोइंग की एवरेट फैक्ट्री में ड्रीमलाइनर का टाइटल ट्रांसफर पूरा कर लिया है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के इंस्पेक्शन के बाद, यह एयरक्राफ्ट अगले कुछ दिनों में भारत पहुंचने की उम्मीद है।नए एयरक्राफ्ट में तीन क्लास (इकोनॉमी, प्रीमियम इकोनॉमी और बिजनेस क्लास सीटें) कॉन्फिगरेशन हैं।एयर इंडिया ने आखिरी लाइन फिट ड्रीमलाइनर अक्टूबर 2017 में खरीदा था जब यह कैरियर सरकार के मालिकाना हक में था। अधिकारी के अनुसार, यह लेटेस्ट एयरक्राफ्ट एयरलाइन का पहला वाइड-बॉडी और 2023 में ऑर्डर किए गए 220 बोइंग जेट्स में से कुल 52वीं डिलीवरी है।

सीएम ममता पर सबूत मिटाने का आरोप

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव सलाहकार पीएसी (आई-पैक) के प्रमुख प्रतीक जैन के घर पर छापे के दौरान एक लैपटॉप, फोन और कई दस्तावेज अपने साथ ले गईं हैं। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय हाई कोर्ट गई है, आज इस मामले की सुनवाई कर सकता है। जहां बनर्जी का दावा है कि यह छापा राजनीतिक मकसद से किया गया था, वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि यह किसी भी राजनीतिक संगठन को निशाना बनाकर नहीं किया गया था।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला तस्करी और मनी लांड्रिंग मामले में बंगाल और दिल्ली के 10 ठिकानों पर व्यापक छापेमारी की।हालांकि, इस कार्रवाई ने तब एक नाटकीय मोड़ ले लिया जब ईडी ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जांच में बाधा डालने और महत्वपूर्ण सबूतों को जबरन ले जाने का गंभीर आरोप लगाया। मुख्य आरोपित अनूप माझी और उसके सिंडिकेट पर ईसीएल (ईसीएल) के पट्टा क्षेत्रों से अवैध रूप से कोयला खनन करने और उसे बंगाल के विभिन्न जिलों में बेचने का आरोप है।

आवारा कुत्तों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मुद्दे पर फिर से सुनवाई शुरू की। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा जानवरों से होने वाले खतरों और उन्हें नियंत्रित करने में नागरिक अधिकारियों की कथित कमियों को उजागर करने वाली याचिकाओं पर ध्यान केंद्रित किया।लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने दलील देते हुए कहा, दिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है। कुत्तों को अचानक हटाने से क्या होता है? चूहों की आबादी बढ़ जाती है। कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं। उनकी इस दलील पर न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने टिप्पणी की, क्या इसका आपस में कोई संबंध है? हमें बिल्लियों को बढ़ावा देना चाहिए, क्योंकि वे चूहों की दुश्मन हैं। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हमने गली के हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया है।

मध्यप्रदेश सरकार ने वस्त्र उद्योग को रोजगारपरक औद्योगिक विकास में दी सर्वोच्च प्राथमिकता: डॉ यादव

केन्द्रीय वस्त्र मंत्री श्री सिंह ने की मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सराहना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का वस्त्र उद्योग विरासत का संरक्षण करते हुए विकास की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट को लेकर महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने वस्त्र उद्योग को रोजगारपरक औद्योगिक विकास में सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। केंद्र सरकार की ओर से मध्यप्रदेश को औद्योगिक और निवेश की दृष्टि से उल्लेखनीय सहयोग मिला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने जन्मदिवस पर मध्यप्रदेश के धार में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन किया। यहां टेक्सटाइल पार्क और उद्योगों का एक साथ लोकार्पण किया जाएगा। यह पार्क भारत को सशक्त बनाने के संकल्प की पूर्ति भी करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में भारत आर्थिक रूप से तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनने के ओर अग्रसर है। मां कामाख्या की धरती असम से आज देश के वस्त्र उद्योग को नई दिशा प्राप्त होगी। सभी राज्यों में वस्त्र उद्योग को आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को गुवाहाटी में आयोजित वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भारत का वस्त्र उद्योग- विकास, विरासत और नवाचार का ताना-बाना की थीम पर आयोजित इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्कृति, संस्कार, संसाधन और विरासत की दृष्टि से मध्यप्रदेश, टेक्सटाइल सहित अनेक उद्योगों में देश में अग्रणी है। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक गतिविधियां और निवेश बढ़ाने के लिए विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत संभाग और जिला स्तर पर भी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से उज्जैन, रीवा, कटनी, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर सहित कई जिलों में औद्योगिक विकास से जुड़ी गतिविधियों का विस्तार हुआ है।

वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में की जा रही पहल सराहनीय

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में की जा रही पहल के लिए सराहना की। धार में बन रहे देश के पहले पीएम मित्रा पार्क के निर्माण में तेजी से हो रहे कार्य के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आने से वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में चार चांद लग गए हैं। उन्होंने कहा कि वस्त्र मंत्रालय, मध्यप्रदेश में दो तरह के फाइबर पर कार्य करना चाहता है। पहला- लीनन जो अलसी में होता है और दूसरा- मिल्क बिल्ट (मदार) फाइबर। केंद्र सरकार न्यू एज फाइबर को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने राज्यों से टेक्सटाइल का रोडमैप बनाकर गतिविधियां संचालित करने की अपील करते हुए कहा कि राज्य टेक्निकल फाइबर को उतनी ही महत्ता दें, जितनी मशीन मेड फाइबर को दी जाती है।

देश की कई अदालतों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। देश के कई जिला अदालतों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसमें बिहार, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कई अदालतें शामिल हैं। बम की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया।सुरक्षा को देखते हुए तत्काल सभी न्यायालय परिसरों को खाली कराया गया। न्यायालयों में मौजूद न्यायाधीश, अधिवक्ता, कर्मचारी और आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।छत्तीसगढ़ में बिलासपुर और राजनांदगांव जिला न्यायालय, जबकि मध्यप्रदेश में रीवा जिला न्यायालय को धमकी भरा ई-मेल भेजा गया है। सूचना मिलते ही संबंधित जिलों की पुलिस और बम निरोधक दस्ता (बॉम्ब स्क्वॉड) मौके पर पहुंच गया और पूरे परिसर की सघन तलाशी शुरू की गई।डॉग स्क्वॉड की मदद से भी जांच की जा रही है। फिलहाल किसी भी न्यायालय से संदिग्ध वस्तु मिलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, धमकी ई-मेल के जरिए दी गई है।

मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन का पता लगाने के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है। शुरुआती जांच में इसे अफवाह फैलाने या दहशत पैदा करने की कोशिश भी माना जा रहा है, हालांकि सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं कर रही हैं। तीनों जिलों में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। न्यायालयों में अगली सूचना तक सामान्य कार्य प्रभावित रह सकता है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति को लेकर स्पष्ट जानकारी दी जाएगी।धमकी भरे ई-मेल के तकनीकी पहलुओं की जांच के लिए साइबर सेल को भी लगाया गया है, ई-मेल कहां से भेजा गया, किस IP एड्रेस का इस्तेमाल हुआ इन सभी सवालों के जवाब तलाशे जा रहे हैं।सूचना मिलते ही जिला जज ने तुरंत आदेश जारी किया और पूरा सिविल कोर्ट परिसर खाली कराया गया। परिसर में मौजूद न्यायाधीश, अधिवक्ता, कर्मचारी और आम जनता को सुरक्षित बाहर निकाला गया और किसी भी तरह की भीड़ को अंदर प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

बजट 2026: पुराने टैक्स रिजीम वालों को मिल सकती है राहत, 80सी की सीमा बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 1 फरवरी को पेश होने वाले आगामी केंद्रीय बजट में करदाताओं को एक और बड़ा तोहफा देने की तैयारी कर रही है। पिछले बजट में नई टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री करने के ऐतिहासिक कदम के बाद, अब सरकार का ध्यान उन करदाताओं की ओर है जो अभी भी पुराने टैक्स रिजीम को प्राथमिकता देते हैं।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि इस बार के बजट में आयकर की धारा 80सी के तहत मिलने वाली छूट का दायरा बढ़ाया जा सकता है, जिससे करोड़ों मध्यम वर्गीय और वेतनभोगी परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा।

वर्तमान में पुराने टैक्स रिजीम को चुनने वाले करदाताओं के लिए बेसिक टैक्स छूट की सीमा 2.5 लाख रुपये है। कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार इस सीमा में बढ़ोतरी कर सकती है। इसके अलावा, निवेश पर धारा 80सी के तहत मिलने वाली 1.5 लाख रुपये की टैक्स छूट की सीमा को बढ़ाकर 2 लाख रुपये किया जा सकता है। यह मांग काफी समय से लंबित थी, क्योंकि बीमा पॉलिसी के प्रीमियम, पीपीएफ और बच्चों की शिक्षा पर होने वाला खर्च पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ गया है।

हट सकता है चीनी कंपनियों पर लगा प्रतिबंध

सरकारी कॉन्ट्रैक्ट में बोली लगाने की मिल सकती है इजाजत

नई दिल्ली। चीनी कंपनियों पर सरकारी कॉन्ट्रैक्ट में बोली लगाने पर 5 साल से लगे प्रतिबंध को हटाया जा सकता है। सूत्रों के हवाले से आई खबर के अनुसार वित्त मंत्रालय सरकारी कॉन्ट्रैक्ट के लिए बोली लगाने वाली चीनी कंपनियों पर पांच साल पुरानी पाबंदियों को खत्म करने की योजना बना रहा है।दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को मजबूती देने के लिए यह कदम उठाया जा सकता है। हालांकि, अभी इस पर सरकार की ओर से किसी भी प्रकार का कोई बयान नहीं आया है।2020 में गलवान में दोनों देशों की सेनाओं के बीच हुई जानलेवा झड़प के बाद लगाए गए प्रतिबंधों के तहत, चीन की कंपनियों को किसी भी सरकारी कॉन्टैक्ट के लिए बोली लगाने के लिए एक भारतीय सरकारी समिति के साथ रजिस्टर करना और राजनीतिक और सुरक्षा मंजूरी लेना जरूरी था।

इन प्रतिबंधों के बाद असल में चीनी कंपनियों को भारतीय सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए बोली लगाने से रोक दिया था, जिनकी कीमत 700 बिलियन से 750 बिलियन होने का अनुमान था। सरकारी सूत्र हवाले से बताया कि अधिकारी पड़ोसी देशों के बोली लगाने वालों के लिए रजिस्ट्रेशन की जरूरत को खत्म करने पर काम कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें सार्वजनिक रूप से बोलने का अधिकार नहीं था। सूत्रों ने बताया कि आखिरी फैसला भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऑफिस करेगा। 2020 में नए प्रतिबंधों के बाद चीन की कंपनियों को बड़ा घाटा हुआ था। 2020 में उठाए गए कदम के कुछ महीनों बाद ही चीन की सरकारी कंपनी सीआरआरसी को 216 मिलियन के ट्रेन बनाने के कॉन्ट्रैक्ट के लिए बोली लगाने से डिसक्वालीफाई कर दिया गया।वित्त मंत्रालय की पाबंदियों में ढील देने की योजना 2020 की पाबंदियों के कारण कमी और प्रोजेक्ट में देरी का सामना कर रहे दूसरे सरकारी विभागों के अनुरोधों के बाद आई है।सरकारी सूत्र ने कहा, कई मंत्रालयों ने उन रुकावटों को दूर करने के लिए छूट का अनुरोध किया है जो उनके सेक्टर में प्रोजेक्ट को पटरी से उतार सकती हैं।

निरीक्षण

6600 बोरिंग की जियो टैगिंग करेंगे

शहर में बिछी 3000 किमी नर्मदा लाइन का सर्वे होगा

इंदौर। इंदौर नगर निगम ने पूरे शहर में जलप्रदाय व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया है। इसके तहत शहर की 3 हजार किलोमीटर लंबी पाइप लाइन का सर्वे और 6 हजार से अधिक सरकारी बोरिंग की जियो टैगिंग का कार्य प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि पूरे इंदौर में 3 हजार किलोमीटर लंबी पानी की पाइपलाइन है। इस पूरी पाइपलाइन का सर्वे किया जा रहा है। इसके साथ ही इंदौर में 6 हजार बोरिंग है। इन बोरिंग के पानी का उपयोग भी पेयजल के रूप में किया जाता है। हर बोरिंग पर इस समय दो काम एक साथ शुरू किए गए हैं। इसमें एक तरफ जहां बोरिंग की जिओ टैगिंग की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ हर बोरिंग में क्लोरीन डालने का काम भी किया जा रहा है।

भागीरथपुरा में हुई हालिया दुखद घटना के बाद राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश के नगरीय निकायों के लिए नई गाइडलाइन जारी की थी। इस निर्देश के पालन में इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि शहर की

पूरी पाइपलाइन का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि कहीं भी लीकेज होने पर उसे तुरंत ठीक किया जा सके।

जियो टैगिंग और क्लोरिनेशन पर जोर

निगम प्रशासन अब शहर के सभी 6600 सरकारी बोरिंग की जियो टैगिंग अनिवार्य कर रहा है। इसके साथ ही पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए हर बोरिंग में क्लोरीन डालने का काम भी युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। भागीरथपुरा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में निजी बोरिंगों का भी क्लोरिनेशन कराया गया है। निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि नगर निगम के हर जोनल कार्यालय पर नर्मदा परियोजना और पेयजल के कार्य को करने के लिए अलग टीम है। इस टीम के माध्यम से ही सर्वे का कार्य को शुरू किया गया है। भागीरथपुरा क्षेत्र में जहां पर दूषित जल के प्रदाय से घटनाक्रम हुआ है, वहां पर भी पूरी लाइन की चेकिंग का काम पहले से ही शुरू किया जा चुका है। सिंघल ने बताया कि इस पूरे सर्वे के माध्यम से यह सुनिश्चित कर दिया जाएगा कि पूरे शहर में कहीं भी पानी की लाइन में कोई भी लीकेज नहीं रह जाए।

पीएमश्री योजना में 799 विद्यालयों का चयन

भोपाल। विद्यार्थियों को बेहतर,आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी पीएमश्री (प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के 799 शासकीय विद्यालयों का चयन किया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अब इन विद्यालयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप आदर्श, आधुनिक एवं समावेशी शैक्षणिक संस्थानों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित, सुविधायुक्त एवं प्रेरणादायी अध्ययन वातावरण प्राप्त हो सके। पीएमश्री योजना से मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, नवाचार और समावेशन का एक सशक्त मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। ये विद्यालय विद्यार्थियों को न केवल वर्तमान की चुनौतियों के लिए तैयार कर रहा है, बल्कि उन्हें भविष्य के सक्षम नागरिक के रूप में विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।योजना के अंतर्गत प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में विद्यालयों के ढांचागत उन्नयन के लिए व्यापक कार्य किए जा रहे हैं।

दैनिक जनचिंगारी

भोपाल, शुक्रवार 09 जनवरी 2026

संपादकीय

सरलप्रताप सिंह भदौरिया

जल ही जीवन है को धता बताती मध्यप्रदेश की जल आपूर्ति व्यवस्था..!

मध्यप्रदेश में हाल ही में आई रिपोर्ट ने एक भयावह सच्चाई उजागर की है हर तीसरा गिलास पानी पीने योग्य नहीं है। यह तथ्य केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि जनजीवन पर मंडराता हुआ संकट है। जिस पानी को जीवन का आधार माना जाता है जिसके लिए जल ही जीवन है का नारा दिया गया है, वही जब बीमारी और मृत्यु का कारण बनने लगे, तो यह शासन और प्रशासन दोनों के लिए गहरी चेतावनी है।

जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं के बावजूद पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित न हो पाना, प्रशासनिक लापरवाही और नीति-निर्माण की विफलता को उजागर करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में दूषित पानी से बच्चों और महिलाओं पर सबसे अधिक खतरा है, जबकि शहरी इलाकों में भी पाइपलाइन और शोधन संयंत्रों की स्थिति चिंताजनक है। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकताओं पर सवाल है।

जनता का विश्वास तभी कायम रह सकता है जब सरकार अपने सबसे बुनियादी दायित्व शुद्ध पानी उपलब्ध कराने को गंभीरता से निभाए। लेकिन जब परीक्षण और निगरानी तंत्र ही कमजोर हो, तो योजनाएँ केवल कागज़ी रह जाती हैं। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या विकास के दावे केवल चमकदार आँकड़ों तक सीमित हैं, जबकि वास्तविकता में जनता का स्वास्थ्य दाँव पर लगा हुआ है।

समस्या का समाधान केवल तात्कालिक मरम्मत या निलंबन में नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक नीति सुधार की जल शोधन संयंत्रों का आधुनिकीकरण, नियमित परीक्षण और उसकी सार्वजनिक रिपोर्टिंग, भूजल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण। साथ ही नागरिकों को भी इस प्रक्रिया में सहभागी बनाना होगा, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

यह संकट हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की असली परीक्षा चुनावी वादों या योजनाओं में नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की सुरक्षा में है। पानी केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन है। यदि सरकार इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं देती, तो जनता का विश्वास टूटेगा और यह किसी भी सभ्य शासन के लिए सबसे बड़ी विफलता होगी। जनस्वास्थ्य सर्वोपरि है। प्रशासनिक लापरवाही को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

मातृभूमि से दूर बसे अपनों से भारत का सजीव संवाद

कांतिलाल मांडोत

भारत केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कारों और साझा स्मृतियों की निरंतर धारा है। यह धारा देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि समय के साथ समुद्रों, महाद्वीपों और संस्कृतियों को पार करती हुई विश्व के कोने-कोने तक पहुँची। इसी वैश्विक विस्तार का मानवीय रूप है प्रवासी भारतीय समुदाय। इन्हीं प्रवासी भारतीयों के योगदान, संघर्ष, उपलब्धियों और भारत से उनके अटूट रिश्ते को सम्मान देने के लिए हर वर्ष नौ जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। वर्ष दो हजार पंद्रह के बाद से यह आयोजन हर दो वर्ष में एक बार बड़े सम्मेलन के रूप में आयोजित किया जाने लगा है, लेकिन दिवस के रूप में इसका प्रतीकात्मक महत्व निरंतर बना हुआ है।

नौ जनवरी की तिथि का अपना ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व है। इसी दिन वर्ष उन्नीस सौ पंद्रह में महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। विदेश की धरती पर रहते हुए उन्होंने सत्य और अहिंसा के प्रयोग किए, रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष किया और वहीं से एक ऐसे नेतृत्व का निर्माण हुआ, जिसने आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। गांधीजी का यह लौटना केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं थी, बल्कि यह संदेश था कि विदेश में अर्जित अनुभव, ज्ञान और संघर्ष की ऊर्जा मातृभूमि के उत्थान में कितनी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। प्रवासी भारतीय दिवस इसी विचार का आधुनिक विस्तार है।

प्रवासी भारतीय दिवस का मूल उद्देश्य भारत और विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के बीच सेतु बनाना है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ विचारों का आदान-प्रदान होता है। प्रवासी भारतीय अपने अनुभव साझा करते हैं, भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने के नए रास्ते तलाशते हैं और भारत सरकार भी उनकी अपेक्षाओं, समस्याओं तथा सुझावों को प्रत्यक्ष रूप से सुनती है। यह आयोजन यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों को केवल पासपोर्ट या निवास की परिभाषा में नहीं बाँधता, बल्कि उन्हें अपनी व्यापक राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा मानता है।

वर्ष दो हजार तीन में इस सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत हुई थी। उस समय यह महसूस किया गया कि विश्व भर में फैले भारतीय समुदाय ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग, व्यापार, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इन उपलब्धियों का लाभ केवल संबंधित देशों तक सीमित न रहे, बल्कि भारत की प्रगति में भी उनका समुचित योगदान सुनिश्चित हो। तभी से प्रवासी भारतीय दिवस एक संवाद, सम्मान और सहभागिता का उत्सव बन गया।

हाल के वर्षों में इस आयोजन का स्वरूप और अधिक व्यापक हुआ है। दो हजार पच्चीस में आयोजित अठारहवें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' विषय विशेष रूप से प्रासंगिक रहा। यह विषय इस बात को रेखांकित करता है कि आने वाले वर्षों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना में प्रवासी भारतीयों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। निवेश, नवाचार, कौशल, वैश्विक संपर्क और सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से प्रवासी भारतीय भारत के विकास लक्ष्य को गति दे सकते हैं।

इस सम्मेलन के दौरान विशेष पर्यटक रेल सेवा का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना है। इसके साथ ही ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रदर्शनों के माध्यम से उन भारतीयों की यात्रा को भी सामने लाया गया, जो कभी गुजरात के तटों से निकलकर ओमान, अफ्रीका और अन्य देशों में बसे। यह इतिहास केवल पलायन की कहानी नहीं है, बल्कि साहस, परिश्रम और अनुकूलन की प्रेरक गाथा है।

प्रवासी भारतीय दिवस के विमर्श में गिरमिटिया मजदूरों का स्मरण विशेष महत्व रखता है। औपनिवेशिक काल में हजारों भारतीयों को अनुबंधित मजदूर के रूप में फिजी, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे देशों में ले जाया गया। कठिन परिस्थितियों, शोषण और अपमान के बावजूद उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखा। आज उन्हीं के वंशज उन देशों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका स्मरण हमें यह सिखाता है कि भारतीय पहचान कितनी दृढ़ और जीवंत है।

प्रवासी भारतीय दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष है प्रवासी भारतीय सम्मान। यह सम्मान उन व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने विदेशों में रहते हुए भारत की छवि को सशक्त किया, स्थानीय भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए कार्य किया और भारत तथा अपने निवास देश के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत बनाया। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का नहीं, बल्कि सामूहिक गौरव का प्रतीक है।

इस आयोजन की उपयोगिता अनेक स्तरों पर दिखाई देती है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो प्रवासी भारतीय निवेश, प्रेषण और व्यापार के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त करते हैं। विदेशों से आने वाला धन केवल परिवारों की आजीविका ही नहीं सुधारता, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्यमिता को भी बढ़ावा देता है। बौद्धिक स्तर पर प्रवासी भारतीय अपने ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के अनुभव भारत के साथ साझा करते हैं, जिससे देश में नई सोच और तकनीक का प्रवेश होता है।

सांस्कृतिक दृष्टि से प्रवासी भारतीय दिवस भारत की नरम शक्ति को मजबूत करता है। योग, आयुर्वेद, भारतीय संगीत, नृत्य और त्योहारों के माध्यम से भारतीय संस्कृति विश्व में सम्मान प्राप्त कर रही है। प्रवासी भारतीय इस सांस्कृतिक दूत की भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक और कूटनीतिक स्तर पर भी प्रवासी समुदाय विभिन्न देशों में भारत के पक्ष को समझाने और समर्थन जुटाने में सहायक सिद्ध होता है।

युवा प्रवासी भारतीय दिवस इस आयोजन का एक विशेष और दूरदर्शी आयाम है। युवा पीढ़ी, जो विदेशों में जन्मी या पली-बढ़ी है, उसके लिए भारत कभी-कभी केवल एक पारिवारिक स्मृति बनकर रह जाता है। यह विशेष कार्यक्रम उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ता है, भारत की समकालीन वास्तविकताओं से परिचित कराता है और उन्हें यह एहसास दिलाता है कि भारत केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं से भरा देश है।

अवैध कब्जे और बेघर होता भारतः एक अंतहीन राष्ट्रीय संकट

ललित गर्ग

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की समस्या भारत में न तो नई है और न ही किसी एक क्षेत्र तक सीमित। यह एक ऐसी जटिल और बहुआयामी चुनौती है, जो शहरीकरण, पलायन, राजनीतिक स्वार्थ, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक मजबूरियों के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने आती है। देश के लगभग हर राज्य, हर बड़े शहर और अनेक कस्बों में सरकारी जमीन पर मकान, दुकानें, झुग्गियां, गोदाम, यहां तक कि बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान खड़े मिल जाते हैं। वर्षों तक यह सब कुछ खुलेआम होता रहता है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र या तो आंखें मूंदे रहता है या जानबूझकर चुप्पी साधे रहता है।

जब अचानक विकास परियोजनाओं, सड़क चौड़ीकरण, रेलवे, मेट्रो, औद्योगिक गलियारों या स्मार्ट सिटी योजनाओं की जरूरत सामने आती है, तब सरकार की नींद खुलती है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ा संकट उन लोगों पर टूटता है, जो वर्षों से वहां रह रहे होते हैं और जिनका जीवन, आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य उसी जमीन से जुड़ चुका होता है। हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क जैसे संगठनों के आंकड़े इस समस्या की भयावहता को उजागर करते हैं। वर्ष 2017 से 2023 के बीच साढ़े तीन लाख से अधिक मकानों पर बुलडोजर चलाए गए और करीब सोलह लाख लोग बेघर हुए। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में लगभग 1.7 करोड़ लोग ऐसे दायरे में हैं, जिनके घर विकास परियोजनाओं या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कारण टूट सकते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्होंने अपनी जीवनभर की पूंजी लगाकर घर बनाए, बच्चों को स्कूल में डाला, आसपास रोजगार तलाशा और एक स्थायी जीवन की कल्पना की। जब ये घर टूटते हैं तो केवल दीवारें नहीं गिरतीं, बल्कि पूरे परिवार की सामाजिक और आर्थिक संरचना ढह जाती है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रायः एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता है। पुनर्वास योजनाएं कागजों पर तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे या तो अधूरी होती हैं या इतनी दूरस्थ जगहों पर लागू की जाती हैं कि वहां रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता है। इस पूरी समस्या का एक कड़वा सच यह भी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एक दिन या एक रात में नहीं हो जाता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें प्रशासनिक उदासीनता, स्थानीय स्तर पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका होती है।

जब गांवों से पलायन कर गरीब परिवार शहरों की ओर आते हैं, तो उन्हें सबसे पहले सस्ती या खाली जमीन की तलाश होती है। सरकारी जमीन इस दृष्टि से सबसे आसान निशाना बनती है। पहले अस्थायी झोपड़ियां खड़ी होती हैं, फिर धीरे-धीरे पक्के मकान, दुकानें और अन्य निर्माण होने लगते हैं। सरकारी एजेंसियां एवं जिम्मेदार तो तब ही हरकत में आते हैं जब या तो कोई हादसा होता है या फिर विकास कार्यों के दौर में इन्हें हटाने की जरूरत पड़ती है। महज सात साल में 16 लाख लोगों के बेघर होने का आंकड़ा छोटा नहीं है। इनमें भी 58 प्रतिशत से ज्यादा के बेघर होने की वजह अतिक्रमण ही है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों की मिलीभगत से अनदेखी होती है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। बिजली, पानी, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसी सुविधाएं भी किसी न किसी रास्ते से मिल जाती हैं, जिससे यह अतिक्रमण धीरे-धीरे 'वैधता' का भ्रम पैदा करने लगता है।

इस पूरी प्रक्रिया में भू-माफिया की भूमिका भी बेहद खतरनाक है। वे सरकारी जमीनों की पहचान कर गरीबों को वहां बसाते हैं, उनसे पैसे वसूलते हैं और बाद में राजनीतिक संरक्षण के जरिए उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखते हैं। चुनाव आते ही ये बस्तियां वोट बैंक में बदल जाती हैं। इस राजनीतिक खेल में न तो कानून की प्रतिष्ठा बचती है और न ही आम नागरिकों का भविष्य सुरक्षित रहता है।

बंगलादेशी खिलाड़ी के बहाने अभिनेता शाहरुख़ खान के विरोध का स्तर व औचित्य ?

निर्मल रानी

भारतीय गोदी मीडिया ने पिछले दिनों बहस के लिये जिस सबसे ज्वलंत मुद्दे को बहस के लिये ज़रूरी समझा वह था आई पी एल की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (च्यक्र) में एक बांग्लादेशी खिलाड़ी के ख़रीदने पर शाहरुख़ का विरोध और इस पर चर्चा करना। ग़ौरतलब है कि बंगलादेश में छात्रों और जनता के भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच शेख़ हसीना की सरकार 5 अगस्त 2024 को गिर गई थी और उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया था साथ ही वे बंगलादेश छोड़कर भारत आ गयी थीं।

उसी समय से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक विरोधी हिंसा व प्रदर्शन लगातार हो रहे हैं। कई हिन्दुओं को लक्षित कर जान से मारा जा चुका है। ऐसे में भारतीयों में बंगला देश के विरुद्ध गुस्सा स्वाभाविक है। इसी बीच प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी इंडियन प्रीमियर लीग (आई पी एल) की विभिन्न टीमों ने अनेक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को बोली लगाकर ख़रीदा। ऐसा ही एक बांग्लादेशी तेज़ गेंदबाज था मुस्तफ़िज़ुर रहमान। इस बांग्लादेशी खिलाड़ी को कोलकाता नाइट राइडर्स ने ढ्ढक्क2026 की नीलामी में रिकार्ड 9.2 करोड़ रुपये की बोली लगाकर ख़रीदा था। यह ढ्ढक्क इतिहास में किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी की सबसे ऊंची बोली थी। कोलकाता नाइट राइडर्स अथवा च्यक्र के मुख्य रूप से जो तीन लोग मालिक हैं उनके नाम हैं बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख़ ख़ान, अभिनेत्री जूही चावला और उनके पति जय मेहता। गोया यह तीनों ही च्यक्र टीम के सह-मालिक हैं।

परन्तु बी सी सी आई की मर्ज़ी से इस बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफ़िज़ुर रहमान का नाम नीलामी पूल में शामिल किये जाने के बावजूद तथा शाहरुख़ के साथ साथ जूही चावला और उनके पति जय मेहता के पास भी च्यक्र का स्वामित्व होने के बावजूद साम्प्रदायिकता में ही प्रसिद्धि तलाशने वाले कुछ पेशेवर क़िस्म के सम्प्रदायकतावादियों द्वारा अपने निशाने पर केवल शाहरुख़ ख़ान को ही लिया गया। हालांकि इस सम्बन्ध में आने वाली ताज़ा ख़बरों के अनुसार अब बीसीसीआई ने के आर के को बांग्लादेश के इस तेज़ गेंदबाज़ मुस्तफ़िज़ुर रहमान को टीम से अलग करने व इसके बदले किसी दूसरे खिलाड़ी को रखने की अनुमति दे दी है। परन्तु इस विषय पर बी सी सी आई ,जूही चावला व जय मेहता को छोड़कर केवल शाहरुख़ ख़ान के विरोध में इस्तेमाल किये गये शब्दों व उसके पीछे छुपे इरादों ने न केवल एक बार फिर सम्प्रदायवाद आधारित एक बहस को जन्म दे दिया है बल्कि इसी बहाने सोशल मीडिया पर शाहरुख़ व निहायत ही घटिया शब्दों में उनकी आलोचना करने वालों की पारिवारिक पृष्ठभूमि व देश के प्रति उनके योगदान व क़ुर्बानियों की भी तुलनात्मक चर्चा की जाने लगी है।

शाहरुख़ को किसी ने ग़द्दार कहा तो किसी ने देशद्रोही बताया जबकि कुछ लोगों ने आई पी एल में च्यक्र बॉयकॉट की बात की। इस विरोध का कारण केवल यही था कि शाहरुख़ ख़ान मुस्लिम हैं और बंगलादेशी खिलाड़ी मुस्तफ़िज़ुर रहमान भी मुस्लिम हैं। जबकि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख़ हसीना इन दिनों भारत में पनाह लिये हुये हैं। किसी स्वयंभू राष्ट्रवादी को कोई आपत्ति नहीं है। पिछले दिनों बांग्लादेश के इस बिगड़े हिंसक साम्प्रदायिक माहौल के बीच पूर्व प्रधानमंत्री ख़ालिदा ज़िया की मृत्यु पर विदेश मंत्री ने शिरकत की और भारत बांग्लादेश संबंधों को सामान्य बनाने का सन्देश दिया। न किसी धर्मात्मा को बुरा लगा न किसी राष्ट्रवादी नेता को। इन्हें बस सबसे बड़ा अपराधी यदि कोई नज़र आया तो वह शाहरुख़ ख़ान ? वह शाहरुख़ ख़ान जो सैकड़ों करोड़ आयकर का प्रतिवर्ष भुगतान कर देश की अर्थव्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। उन्हें उनके लंबे और शानदार फ़िल्मी कैरियर में कई प्रमुख राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मान और पुरस्कार मिल चुके हैं। वे बॉलीवुड के सबसे सफल अभिनेताओं में से एक हैं और उन्होंने 15 फ़िल्म फ़ेयर अवॉर्ड्स सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं। शाहरुख़ को 2025 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिल चुका है। यह उनका पहला राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार है। इसके अलावा उन्हें कई स्क्रीन अवॉर्ड्स, ज़ी सिने अवॉर्ड्स, ढ्ढढ्ढस्न अवॉर्ड्स और प्रोड्यूसर्स गिल्ड अवॉर्ड्स हासिल हो चुके हैं।

भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए उन्हें देश का सर्व प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार 2005 में भारत सरकार द्वारा दिया जा चुका है। इसी तरह 2007 में फ़्रांस सरकार द्वारा ऑर्ड्रे दे आर्ट्स एट दे लेटर्स अवार्ड मिला जबकि 2014 में फ्रांस की सबसे ऊँचा नागरिक सम्मान लीजन ऑफ़ ऑनर भी मिल चुका है। उन्होंने 2018 में विश्व आर्थिक मंच द्वारा महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के लिए नेतृत्व करने हेतु क्रिस्टल अवॉर्ड प्राप्त किया। जबकि 2011 में बच्चों की शिक्षा के लिए दान कार्य हेतु यूनेस्को का पिरामाइड कॉन मार्नी अवॉर्ड हासिल किया। शाहरुख़ ख़ान को एडिनबरा यूनिवर्सिटी, बेडफ़ोर्डशायर यूनिवर्सिटी, ला ट्रोब यूनिवर्सिटी आदि से डॉक्टरेट की कई मानद मिल चुकी हैं। इसी तरह 2024 में उन्हें लोकर्नो फ़िल्म फ़ेस्टिवल (स्विट्ज़रलैंड) पार्डो आला कारिएरा का लाइफ़ टाइम अचीवमेंट अवार्ड हासिल हो चुका है।

डिजिटल राजस्थान का उदय और स्टार्टअप से आगे वैश्विक टेक हब बनने की उड़ान

कांतिलाल मांडोत

जयपुर के जेईसीसी में शुरू हुआ राजस्थान डिजीफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि उस बदलते राजस्थान का घोषणापत्र है, जो अब अपनी पहचान रेगिस्तान, किलों और पर्यटन से आगे बढ़ाकर तकनीक, नवाचार और वैश्विक उद्यमिता के केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। जिस राज्य को कभी आईटी और स्टार्टअप की दौड़ में पीछे माना जाता था, वही राजस्थान आज यह आत्मविश्वास के साथ कहने की स्थिति में है कि दुनिया के कई देशों जितनी अपॉरच्युनिटी अकेले यहां मौजूद है। आईटी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के शब्द केवल उत्साहवर्धक वक्तव्य नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत का प्रतिबिंब हैं।

तीन दिन तक चलने वाले इस समिट में 1,200 से अधिक वैश्विक कंपनियों के फाउंडर, सीईओ और निवेशकों की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि राजस्थान अब निवेशकों की नजर में एक गंभीर और भरोसेमंद डेस्टिनेशन बन चुका है। 20 से अधिक यूनिकॉर्न और सूनिकॉर्न स्टार्टअप्स के संस्थापकों का एक मंच पर आना इस इकोसिस्टम की परिपक्वता को दर्शाता है। यहां हुए एमओयू केवल कागजी समझौते नहीं हैं, बल्कि आने वाले वर्षों में रोजगार, तकनीकी विकास और आर्थिक विस्तार की नींव हैं।

राजस्थान का स्टार्टअप सफर अब शुरुआती प्रयोगों से निकलकर स्थिर विकास के दौर में प्रवेश कर चुका है। आईटी सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर द्वारा साझा किए गए आंकड़े इस बदलाव की कहानी खुद बयां करते हैं। 7,300 से अधिक स्टार्टअप्स को सुविधा, 1,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश और 42,000 से ज्यादा नौकरियां केवल संख्याएं नहीं हैं, बल्कि यह उस विश्वास का प्रमाण हैं जो उद्यमियों और निवेशकों ने राज्य पर जताया है। यह सफलता रातोंरात नहीं मिली, बल्कि इसके पीछे निरंतर नीति समर्थन, मजबूत ई-गवर्नेंस, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशासनिक इच्छाशक्ति की अहम भूमिका रही है।

हालांकि, इस समिट का सबसे महत्वपूर्ण संदेश स्टार्टअप से आगे की संभावनाओं पर केंद्रित है। राजस्थान अब केवल स्टार्टअप लॉन्च करने का प्लेटफॉर्म नहीं रहना चाहता, बल्कि वह एक संपूर्ण टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम बनने की दिशा में अग्रसर है। एग्रीटेक, मेडिटेक, प्रॉपटेक और फिनटेक जैसे क्षेत्रों में तकनीक आधारित समाधान राज्य की वास्तविक जरूरतों से जुड़े हुए हैं। यहां की कृषि, स्वास्थ्य सेवाएं, रियल एस्टेट और वित्तीय समावेशन की चुनौतियां नव7ाचार के लिए स्वाभाविक प्रयोगशाला प्रदान करती हैं। यही वजह है कि राजस्थान में विकसित होने वाले समाधान न केवल स्थानीय समस्याओं का समाधान करते हैं, बल्कि वैश्विक बाजार के लिए भी प्रासंगिक बन जाते हैं।

राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत उसका भौगोलिक और सामाजिक संतुलन है। एक ओर जयपुर, उदयपुर, जोधपुर जैसे शहर तेजी से आईटी और स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर छोटे शहर और ग्रामीण क्षेत्र भी डिजिटल क्रांति से जुड़ रहे हैं। यह समावेशी विकास मॉडल राजस्थान को अन्य राज्यों से अलग पहचान देता है। यहां तकनीक केवल शहरी अभिजात वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि वह गांव, किसान, महिला उद्यमी और युवा तक पहुंच रही है।

आईटी हब बनने की प्रक्रिया में इंफ्रास्ट्रक्चर की भूमिका निर्णायक होती है। राजस्थान ने इस मोर्चे पर बीते वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। डेटा सेंटर्स, आईटी पार्क्स, स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर्स और को-वर्किंग स्पेस तेजी से विकसित हुए हैं। मजबूत इंटरनेट कनेक्टिविटी और साइबर सुरक्षा ढांचे ने डिजिटल कारोबार के लिए सुरक्षित वातावरण बनाया है। ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म्स ने न केवल प्रशासन को पारदर्शी और प्रभावी बनाया है, बल्कि स्टार्टअप्स के लिए प्रक्रियाओं को सरल भी किया है।

समिट में एनवीडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट शंकर त्रिवेदी द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर दिया गया वक्तव्य राजस्थान के भविष्य की दिशा को रेखांकित करता है। एआई केवल एक तकनीकी ट्रेंड नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शासन व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला माध्यम है। राजस्थान जैसे राज्य के लिए एआई का सही उपयोग सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति दे सकता है। यहां विकसित होने वाले एआई समाधान भारत के लिए पहले और फिर दुनिया के लिए मॉडल बन सकते हैं।

राजस्थान की युवा शक्ति इस परिवर्तन की धुरी है। मेहनती, प्रतिभाशाली और तेजी से सीखने वाली यह पीढ़ी अब नौकरी खोजने वाली नहीं, बल्कि नौकरी देने वाली बन रही है। स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं को जोखिम लेने, नवाचार करने और वैश्विक स्तर पर सोचने का आत्मविश्वास दिया है। राज्य सरकार की नीतियों ने इस ऊर्जा को सही दिशा देने का काम किया है। मेंटरिंग, फंडिंग और नेटवर्किंग के अवसरों ने स्टार्टअप्स को शुरुआती असफलताओं से उबरने और टिकाऊ मॉडल विकसित करने में मदद की है।

स्टार्टअप से आगे की यात्रा में मैन्युफैक्चरिंग और डीप-टेक की भूमिका भी अहम होने वाली है। राजस्थान के पास भूमि, संसाधन और लॉजिस्टिक्स का ऐसा संयोजन है, जो हार्डवेयर स्टार्टअप्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर सपोर्ट सिस्टम और ग्रीन टेक्नोलॉजी के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। यदि सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर का यह संगम सही दिशा में आगे बढ़ता है, तो राजस्थान केवल आईटी हब ही नहीं, बल्कि इनोवेशन मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र भी बन सकता है। राजस्थान का पर्यटन और विरासत भी तकनीक के साथ नए रूप में सामने आ सकती है। हेरिटेज टेक, डिजिटल टूरिज्म, वर्चुअल रियलिटी और स्मार्ट सिटी सॉल्यूशंस के जरिए राज्य अपनी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करते हुए आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकता है। यह वह क्षेत्र है, जहां टेक्नोलॉजी और परंपरा का अनूठा मेल राजस्थान को वैश्विक मानचित्र पर अलग स्थान दिला सकता है।

इस समिट का एक महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक कनेक्टिविटी है। टाई जैसे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से राजस्थान के स्टार्टअप्स को दुनिया भर के निवेशकों, मेंटर्स और बाजारों तक पहुंच मिल रही है। यह संपर्क केवल पूंजी तक सीमित नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण के आदान-प्रदान का माध्यम है। जब स्थानीय उद्यमी वैश्विक मानकों पर खरे उतरने लगते हैं, तभी किसी राज्य का इकोसिस्टम वास्तव में परिपक्व कहलाता है। राजस्थान आज उस मोड़ पर खड़ा है, जहां उसके पास अवसर भी हैं और जिम्मेदारी भी। अवसर इस बात का कि वह देश के अग्रणी आईटी और टेक हब्स की कतार में स्थायी स्थान बना सके, और जिम्मेदारी इस बात की कि विकास समावेशी, टिकाऊ और भविष्य उन्मुख हो। डिजीफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य इस चुनौती के लिए तैयार है। आने वाले वर्षों में जब राजस्थान के स्टार्टअप वैश्विक मंचों पर अपनी पहचान बनाएंगे, जब यहां विकसित तकनीकें करोड़ों लोगों के जीवन को आसान बनाएंगी और जब युवा अपने सपनों को यहीं साकार करेंगे, तब इस समिट को एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में याद किया जाएगा। यह आयोजन केवल वर्तमान की उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि उस भविष्य की झलक है, जिसमें राजस्थान एक पूर्ण विकसित आईटी हब, इनोवेशन सेंटर और वैश्विक टेक पावरहाउस के रूप में उभरेगा।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर की बड़ी कार्यवाही, पटवारी को किया गया निलंबित

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर ने बड़ी कार्यवाही करते हुए प्रकारणों को लंबित रखने, समय सीमा में कार्य न करने एवं हल्का में समय से उपस्थित न होने पर पटवारी सुनील सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। बता दें कि कलेक्टर द्वारा प्रशासन के बेहतर संचालन एवं प्रशासन तक आमजन की सुलभ पहुंच हेतु आपका प्रशासन आपके द्वारा कार्यक्रम शुरू किया गया हैं जिसके तहत विकासखंड स्तर पर जनसुनवाई की जा रही है। इसी क्रम में जनसुनवाई शिविर केसली दिनॉक-06.01.2026 में कलेक्टर श्री संदीप जी आर के समक्ष ग्राम ढेंचुआ के कृषकों द्वारा पट्टे में प्राप्त भूमि के नक्शा तरमीम, सीमांकन, कब्जों के संबंध में शिकायतें एवं पटवारी हल्के में समय से उपस्थित न होने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई है, जिसके संबंध में संबंधित पटवारी सुनील सोनी द्वारा समक्ष में संतोषजनक जबाव प्रस्तुत नहीं किया गया। जिस पर पटवारी सुनील सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

कड़ाके की ठंड में मिसाल बनी सागर पुलिस, विक्षिप्त युवक को सुरक्षित परिजनों से मिलवाया

सागर। अत्याधिक ठंड के दौरान बालक हिल व्यू कॉलोनी से बुधवार गुरुवार की दरम्यानी रात एक युवक के लावारिस हालत में घूमते पाए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही डायल 112 गोपालगंज से त्वरित कार्रवाई

करते हुए एफआरडी तत्काल मौके पर पहुँची। मौके पर पाया गया युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत हो रहा था, अत्यधिक ठंड से कांप रहा था तथा शारीरिक रूप से अत्यंत कमजोर अवस्था में था। डायल 112 टीम द्वारा मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए युवक को सुरक्षित रूप से वाहन में बैठाया गया। युवक से काफी प्रयास के बावजूद कोई भी जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। वह एक शब्द भी बोलने की स्थिति में नहीं था। घटना की सूचना तत्काल थाना गोपालगंज में थाना प्रभारी घनश्याम शर्मा तथा उप निरीक्षक नीरज जैन को दी गई। उनके निर्देशन में युवक को थाने लाकर गर्म व सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया गया। उसे खाना-पानी दिया गया तथा शांतिपूर्वक पूछताछ करने का प्रयास किया गया। पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ है और न तो अपना नाम बता पा रहा है और न ही घर का पता।

सहायक बनी पुलिस यात्री का खोया बैग 100 किलोमीटर दूर जाकर दिलाया

सागर। डायल 112 सेवा ने एक बार फिर तत्परता, संवेदनशीलता एवं मानवीय पुलिसिंग का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए एक असहाय यात्री की बड़ी समस्या का समय रहते समाधान किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशांत कुमार सेन निवासी प्रयागराज बस द्वारा इंदौर की यात्रा कर रहे थे। गुरुवार की सुबह करीब 5 बजे उनकी बस सागर जिले के राहतगढ़ कस्बे से होते हुए भोपाल रोड मार्ग से इंदौर जा रही थी। इसी दौरान राहतगढ़

में एक ढाबे पर बस रुकी, जहां प्रशांत कुमार सेन आवश्यक कार्य से नीचे उतरे। दुर्भाग्यवश बस चालक-कंडक्टर द्वारा उन्हें बस में चढ़ने का अवसर दिए बिना बस को आगे रवाना कर दिया गयाए जिससे प्रशांत वहीं छूट गए।
बस के अंदर उनका बैग रह गया, जिसमें उनके अत्यंत आवश्यक व्यक्तिगत दस्तावेज रखे हुए थे। अनजान स्थान पर फंसे एवं परेशान प्रशांत कुमार सेन ने तत्काल डायल 112 पर कॉल कर सहायता की गुहार लगाई। राज्य स्तरीय डायल 112 कंट्रोल रूम भोपाल से इवेंट के माध्यम से सूचना प्राप्त होते ही डायल 112 सागर कंट्रोल रूम द्वारा मामले की जानकारी प्रभारी डायल 112 उप निरीक्षक आरकेएस चौहान को दी गई। श्री चौहान द्वारा मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल सक्रियता दिखाई गई। उन्होंने प्रशांत से बस का विवरण एवं नंबर प्राप्त कर बस कंडक्टर से संपर्क किया तथा स्थिति से अवगत कराते हुए बस को सांची स्थित ढाबे पर रुकवाया गया। इसी बीच डायल 112 राहतगढ़ की टीम की सहायता से प्रशांत कुमार सेन को दूसरी वाहन के माध्यम से लगभग 100 किलोमीटर दूर सांची तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

आईएमए सागर का सीएचसी रहली में रक्तदान शिविर का आयोजन

सागर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) सागर एवं स्वास्थ्य विभाग सागर के संयुक्त तत्वावधान में सीएचसी रहली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुवात में ही आईएमए अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद, मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉ. जितेन्द्र सराफ और बीएमओ डॉ. बसंत नेमा ने रक्तदान कर के बहुत ही सकारात्मक पहल दिखाई। कार्यक्रम में मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉ. जितेन्द्र सराफ ने बताया कि रक्तदान शल्य चिकित्सा, दुर्घटनाओं तथा कैंसर व एनीमिया जैसी दीर्घकालिक बीमारियों में जीवनरक्षक सिद्ध होता है। एक यूनिट रक्त को उसके घटकों (रेड सेल्स, प्लाज्मा) में विभाजित करने पर यह तीन मरीजों तक लाभ पहुंचा सकता है। आईएमए अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद ने कहा कि रक्तदान से न केवल मरीजों को लाभ मिलता है। बल्कि दाताओं को भी स्वास्थ्य संबंधी फायदे होते हैं, जैसे आयरन की मात्रा संतुलित होने से हृदय स्वास्थ्य में सुधार, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच (एचआईवी, हेपेटाइटिस आदि) तथा मानसिक संतोष। इससे सुरक्षित और निरंतर रक्त आपूर्ति सुनिश्चित होती है। उन्होंने यह भी बताया कि सीएचसी एवं दूरदराज़ क्षेत्रों में ऐसे शिविर आयोजित करने से रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियाँ, जैसे कमजोरी या बीमारी का डर, दूर करने में मदद मिलती है।

गालियां देने से मना किया तो युवक से मारपीट

सागर। कैन्ट थाना में आने वाले ग्राम भैंसा निवासी दो पड़ोसियों का आपस में विवाद हो गया। विवाद देखते देखते मारपीट में बदल गया। मारपीट की इस घटना के बाद दोनों ही पक्षों ने थाना में आकर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने दोनों तरफ से मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस ने बताया कि बुधवार की रात दो पक्षों में विवाद की रिपोर्ट दर्ज हुई है। जिसमें एक पक्ष से फरियादी भैंसा निवासी मुरारी पिता रामप्रसाद अहिरवार ने थाना में आकर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिसमें उसने बताया कि बुधवार की रात करीब 10 बजे मेरे पडोस में रहने वाला हीरालाल अहिरवार मेरे घर के सामने मुझे बिना कारण के गालीयां दे रहा था। मैनें गालीयां देने से मना किया तो हीरालाल ने हाथ में लिया डंडा से मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। मेरे चिल्लाने की आवाज सुनकर मेरी पत्नी आरती आई तो हीरालाल का भाई राकेश अहिरवार आ गया और उसने मेरे पत्नी के साथ मारपीट की। घटना में मुझे और मेरी पत्नी को सिर में चॉट आई खून निकलने लगा।

बस मालिक सत्यम व सिटी कोतवाली पुलिस ने किया सराहनीय कार्य

जन चिंगारी सुरेन्द्र सिंह दमोह।बुधवार रात 10 बजे गैसाबाद से दमोह चलने वाली दाहिया बस में एक बच्ची रोशनी नाथ (सपेरा) 11 वर्षीय दमोह आ जाने पर बस मालिक सत्यम दहिया की तत्परता से तत्काल कोतवाली पुलिस को सूचित किया, जहां मौके पर बस स्टैंड पॉइंट थाना कोतवाली से आरक्षक 470 मनीष तिवारी ने पहुंच कर बच्ची से पूछताछ की. जहां पता चला कि अभाना की निवासी रोशनी हटा से भटक कर दमोह आ गई है.जहां अपना घर अभाना बताए जाने पर टीआई कोतवाली मनीष कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने वाहन में बिठाकर उसे अभाना घर पर भाई रोहित सपेरा को सुपुर्द किया गया,जहां इस कार्य की सभी सराहना कर रहे हैं।

गर्भवती माताओं का शत प्रतिशत पंजीयन न होने पर होगी सख्त कार्रवाई

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक प्रत्येक माह आयोजित की जाए: संभाग कमिश्नर श्री सुचारी

सागर। गर्भवती माताओं का शत प्रतिशत पंजीयन न होने पर सख्त कार्रवाई होगी, मातृ, शिशु मृत्यु रोकने हर संभव प्रयास करें एवं गर्भवती माताओं की स्किल सेल जांच लगातार की जाए साथ ही जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक प्रत्येक माह आयोजित की जाए।

उक्त निर्देश संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी ने संभाग की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में दिए इस अवसर पर जॉइंट कमिश्नर राजेश शुक्ला, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य डॉ नीना गिडियन, श्रीमती सुशीला यादव, डॉ ममता तिमोर सहित समस्त मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी ने समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की गर्भवती माता का शत प्रतिशत पंजीयन किया जाए एवं उनकी सभी जांच गाइडलाइन के अनुसार की जावे साथ में सभी गर्भवती माता की सिकल सेल की जांच भी की जाए और आवश्यकता पड़ने पर उनका उपचार भी किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी गर्भवती माता को खून बढ़ाने की दवाइयां वितरित की जावे संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं साथ में प्रत्येक माह जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर मॉनिटर करें।

संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय के साथ कार्य करें एवं कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर पोषण पुनर्वास केंद्र में 14 दिन ऑब्जर्वेशन में रखकर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराऐं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों को 12 फॉलो अप चेकअप भी कराए एवं उनके सुपोषित होने तक लगातार उनकी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने निर्देश दिए की संजीवनी विद्यालयों में गर्भवती माता को शासन की निर्देश अनुसार चेकअप की विशेष व्यवस्थाएं की जावे उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि जो स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी कार्य में प्रगति नहीं ला रहे हैं उनकी दो-दो वेतन वृद्धि तत्काल प्रभाव से रोकी जावे। उन्होंने कहा कि विकासखंड मेडिकल अधिकारी की मॉनिटरिंग सीएमएचओ करें एवं सीएमएचओ की मॉनिटरिंग संयुक्त संचालक करें।

संभाग कमिश्नर ने निर्देश दिए की 108 एंबुलेंस की सतत मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करें उन्होंने कहा कि उनकी लगातार मॉनिटरिंग की जावे इसके लिए सतत प्रयास रखें समय पर 108 एंबुलेंस संबंधित पीड़ित व्यक्ति तक पहुंचे।

कलेक्टर ने लोकसेवा केन्द्र संचालक गढ़ाकोटा पर की जुर्माना की कार्यवाही

तय राशि से अधिक बसूली के मामलें सामने आ रहे!

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर ने निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली करने एवं कार्य समय सीमा में नही करने और लंबित रखने पर लोक सेवा केन्द्र गढ़ाकोटा संचालक नागेन्द्र सिंह प्रो. नव प्रकाश मानव कल्याण समिति संचालक, लोक सेवा केन्द्र गढाकोटा पर कार्यवाही करते हुए 25000 रुपए का जुर्माना लगाया। कलेक्टर कार्यालय से जारी जुर्माना आदेश के अनुसार लोक सेवा केन्द्र गढ़ाकोटा संचालक ने शिकायतकर्ता निवासी ग्राम पिपरिया तहसील गढ़ाकोटा के जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए लोक सेवा गारंटी के तहत निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क की वसूली तथा आवेदन को भी 8 से 10 दिन लंबित रखा गया। उपरोक्त कृत्य लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है जिस पर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने लोक सेवा केन्द्र गढ़ाकोटा संचालक पर जुर्माना की कार्यवाही की साथ ही उक्त जुर्माना राशि का तीन दिवसों में जमा करने का आदेश दिया गया। साथ ही सख्त चेतावनी दी गई कि लोक सेवा केन्द्र पर पाई गई अनियमितताओं को तत्काल सही करते हुए लेक सेवा केन्द्र का संचालन आर.एफ.पी. में वर्णित प्रावधानों के तहत करना सुनिश्चित करें।

विवादित प्रापर्टी में लगी आग

कोर्ट के स्टे के बावजूद लगा था काम

सागर। कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाली बताशा वाली गली में गुरुवार की रात पुरानी पारस कोल्ड स्टोर में आग लग गई। आग कैसे लगी अभी इसकी जानकारी नहीं है। घटना की जानकारी लगते ही थाना पुलिस और नगर निगम की दमकर टीम पहुंची और आग बुझाने की प्रक्रिया शुरू की। जानकारी के अनुसार जहां यह आग लगी है उस मार्केट का निर्माण चल रहा था।

कोर्ट में मामला

जानकार बताते हैं कि इस प्रापटी का विवाद कोर्ट में चल रहा है और स्टे के बावजूद इसपर निर्माण चल रहा था कबकी पक्षकार ने स्थानीय थाना सिटी कोतवाली में इस मार्फ़त स्टे के साथ एक आवेदन की कॉपी भी सौपी थी पर पुलिस का रवैया हैरतअंगेज बना रहा, बहरहाल अब हाईकोर्ट में पिटीशन के माध्यम से पुलिस की शिकायत करने की तैयारी की जानकारी लगी हैं।

विधायक पेंटिंग प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न

जन चिंगारी सुरेन्द्र सिंह दमोह।उन्मुक्त सर्वजन कल्याण समाजसेवी संस्था दमोह द्वारा विधायक पेंटिंग प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण व सम्मान समारोह का कार्यक्रम प्रधान मंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस सभागार दमोह में संपन्न हुआ,इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता सिद्धार्थ मलैया,विशिष्ट अतिथि के रूप में दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर उपस्थित हुए,जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही श्रीमति रामकुमारी पाठक, डॉक्टर आलोक जैन प्राचार्य प्रधान मंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस,जन अभियान परिषद के जिला संयोजक सुशील नामदेव,प्रमोद गांगरा विधायक पेंटिंग प्रतियोगिता संयोजक,ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभ आरंभ किया व मंच पर पधारे अतिथि गणों का पुष्पहार

व पुष्प गुच्छ से स्वागत सत्कार किया गया, जिसमें सिद्धार्थ मलैया का स्वागत हेमंत पाठक ने व कलेक्टर महोदय का राहुल पाठक ने सम्मान किया,जिसमें भाजपा नेता सिद्धार्थ मलैया जी ने संबोधित करते हुए बताया कि सबसे पहले तो मैं संस्था को बधाई देना चाहता हूं उन्होंने उत्कृष्ट काम किया है नई पहल के साथ एक अच्छी नींव को रखा है,इस तरह की प्रतियोगिता शहर को साफ रखने के लिए एवं शहर की दीवालों को स्वच्छ रखने के लिए बहुत अच्छा कार्य किया है इसके लिए मैं साधुवाद देता हूं,एवं दमोह कलेक्टर श्री सुधीर कुमार कोचर ने बताया कि जो विद्यार्थी पुरस्कृत हो रहे है वो इस व्यधा में कार्य करते रहे क्योंकि जो आप दीवारों पर चित्र कला बनाते है वो पूरा शहर देखता है और देखते निकलता है इससे हमारे जिले की छवि बनती है हमारे शहर की छवि बनती है।

राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने सुनी समस्याए, दिये अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश

जन चिंगारी प्रवीण कुमार दुबे जबेरा ।प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी आज सायं जबेरा विधानसभा क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों से पधारे नागरिको से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने आमजन की विभिन्न जनसमस्याओं, आवश्यकताओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुन कर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पति पत्नी मासूम बच्ची के साथ टंगे मिले तीनों की मौत एस पी एस डी एम पहुंचे

जन चिंगारी चतुर्भुज दुबे दमोह।तेंदूखेड़ा नगर में सुबह 10 बजे के करीब जब पति पत्नी और अठारह माह की मासूम बच्ची की फांसी पर टंगे की जानकारी फैली नागरिक लोग दुखित होकर घटना स्थल जानकारी लेने पहुंच गए देखते ही देखते सैकड़ों का जनसमूह एकत्रित हो गया पुलिस ने भीड़ को मकान से दूर रहने की हिदायत देकर भीड़ को दूर कर मृतकों के शब को नीचे उतरवाकर मकान में रखा इस दौरान ह्यस्त्रद्ब सौरभ गंधर्व तहसीलदार विवेक व्यास प्रशासनिक अमले के साथ मौजूद रहे एक घंटे से कम समय में दमोह पुलिस अधीक्षक श्रुतिकृति सोमवंशी घटनास्थल पर पहुंचे और मृतकों के शवों को देख कर मकान का निरीक्षण कर शवों को पोस्टमार्डम के लिए भिजवाया जानकारी लेने पर पता चला कि वार्ड नंबर एक केवट मोहल्ला में रहने वाले दंपति मनीष केवट पत्नी भूरी केवट और मासूम बच्ची का शब मकाने अंदर फांसी से

लटका हुआ है इसकी जानकारी एस पास। रहने वाले लोगों को जब लगी जब उक्त दंपति के दरवाजे 10 बजे सुबह होने पर लगे थे कुछ पड़ोसियों ने कच्चे मकान के अंदर झांककर देखा तो आगे के कमरे में भूरी का शब साड़ी के फंदे से लटका दिखा इससे घबराए लोगों ने पुलिस को सूचना दी थाना प्रभारी राघवेंद्र बागरी ने तत्काल पुलिस अधीक्षक को जानकारी देकर स्थल पहुंचे और भीड़ को हटवाकर जंचने जुट गए इस दौरान कमरों के अंदर जाने की इजाजत पत्रकारों मीडिया कर्मियों को भी नहीं दी कही कुछ अनहोनी हुई हो तो सबूत न मिट जाए इस संबंध में जब संवाददाता ने आसपास के लोगों खासकर बुजुर्ग जिनमें महिलाएं ज्यादा थी उन्होंने नाम न छपने की शर्त पर बताया कि उक्त परिवार ग्राम अम्बही का रहने वाला था करीब दो वर्ष से अधिक समय से तेंदूखेड़ा के केवट मोहल्ला में रहने लगा था परिवार के नाम पर सिर्फ उक्त दंपति ही रहते थे चुकी पिता की खुब्बी केवट की मृत्यु दो वर्ष पूर्व हो गई जबकि मां बरसोपहले भाई नहीं थे बहनों की जानकारी लगी शादी जबलपुरजिले के ग्राम में हुई थी मनीष के ससुराल वालों के सामने ही अधिकारियों ने मृतकों के शवों को पीएम के लिए सामुदायिक स्वस्थ केंद्र भिजवाया वस्तुस्थिति पोस्ट मॉडम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगी परन्तु जो जानकारी लगी।

बिटकॉइन के नाम पर निवेश, जालसाजी हुई

2.40 लाख की ठगी, मुकदमा दर्ज

सागर। मोतीनगर थाना क्षेत्र में बिटकॉइन और पिनको कंपनी में निवेश कराने का झांसा देकर युवक से 2.40 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई। ठग ने उन्हें टेलीग्राम लिंक भेजकर ऑनलाइन निवेश करने का लालच दिया था। धोखाधड़ी होने पर फरियादी ने 6 जनवरी को थाने में शिकायती आवेदन दिया। जिसके बाद बुधवार रात को जांच करते हुए पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

विभिन्न खातों में ट्रांसफर कराये रुपये

पुलिस के मुताबिक फरियादी विपिन सोनी निवासी मोहन नगर वार्ड ने थाने में शिकायती आवेदन दिया था। शिकायत में बताया कि 1 जनवरी को टेलीग्राम पर टेलीग्राम यूजर नेहा अग्रवाल की ओर से मुझे पिनको नामक कंपनी में निवेश करने के लिए 30 हजार रुपए का कहा। जिसके बदले 39 हजार रुपए दिए जाने का बोला गया। जिस पर मेरे द्वारा 30 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर निवेश किए गए। इसी दौरान उन्होंने मुझे पिनको कंपनी के माध्यम से बिटकॉइन में 30 हजार रुपए निवेश के लिए बोला गया। मैंने उसमें भी निवेश किया। जिसके बाद मुझसे 1.60 लाख रुपए मांगे गए। उक्त पैसे जमा करने के बाद लौटाने की बात कही गई। मैंने अलग-अलग बैंक खातों से ऑनलाइन ट्रांसफर किए।

निवेश के नाम पर पैसे ठगे

पैसे जमा करने के बाद भी मुझे राशि लौटाई नहीं की। जब मैंने संपर्क किया तो ठग ने कहा कि 2.45 लाख रुपए जमा करने के बाद राशि लौटाई जाएगी। निवेश के नाम पर आरोपियों ने 2.40 लाख रुपए की धोखाधड़ी की। ठगों के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो उन्होंने पहले राशि लौटाने का बोला लेकिन बाद में आनाकानी करने लगे। ठगी होने पर मामले की शिकायत थाने में की। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

महिला ब्रिगेड दल ने विभिन्न बकायादारों से 6 लाख 51 हजार के बकाया कर की राशि जमा कराई

सागर। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री द्वारा नगर निगम के संपत्तिकर, जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क, दुकानों का किराया सहित अन्य सभी बकायाकरों की लक्ष्य अनुसार वसूली करने के लिए नगर निगम में पहली बार गठित की गई महिला ब्रिगेड दल द्वारा शास्त्री वार्ड से विभिन्न दुकानदारों जिनमें धर्मदास अहिरवार, राजेंद्र साहू, विशाल जितेंद्र सिंघई एवं लक्ष्मी नारायण वाटिका से 6 लाख 5 1हजार रुपए संपत्तिकर की बकाया राशि वसूल कर जमा कराई। इस अवसर पर सहायक आयुक्त एवं नोडल अधिकारी तबस्सुम खान, सहायक नोडल अधिकारी बृजेश तिवारी एवं महिला ब्रिगेड दल में श्रीमती जयलक्ष्मी श्रीवास्तव, श्रीमती नीता श्रीवास्तव, श्रीमती पूजा श्रीवास्तव, श्रीमती , श्रीमती स्वदेश राजा बुंदेला, श्रीमती आभा सेन श्रीमती कंचन राजपूत, श्रीमती आशी गौतम, श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव एवं करसंग्राहक उपस्थित थे।

सिविल सोसायटी के साथ मिलकर मनु मिश्रा ने रेलवे स्टेशन पर कंबल वितरित किए

जन चिंगारी चतुर्भुज दुबे दमोह। कड़ाके की ठंड को देखते हुए सिविल सोसायटी दमोह के साथ मिलकर कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष पंडित मनु मिश्रा ने रेलवे स्टेशन पर असहाय एवं गरीब यात्रियों को कंबल वितरित किए।
पंडित मनु मिश्रा ने बताया कि समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिली थी कि भीषण ठंड के कारण रेलवे स्टेशन पर कई जरूरतमंद लोग बिना कंबल के खुले में सोने को मजबूर हैं। इस मानवीय पीड़ा को देखते हुए सिविल सोसायटी दमोह के सदस्यों की प्रेरणा से यह सेवा कार्य किया गया।
उन्होंने कहा कि नियमों का पालन करते हुए पहले 10 लोगों के लिए प्लेटफॉर्म टिकट खरीदे गए, इसके बाद स्टेशन परिसर में सो रहे पात्र लोगों को कंबल वितरित किए गए। यदि किसी कारणवश कोई जरूरतमंद छूट गया है तो अगले दिन पुनः कंबल वितरण किया जाएगा।
पंडित मनु मिश्रा ने इस पुनीत कार्य में सहयोग देने के लिए सिविल सोसायटी दमोह के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि समाज के हर सक्षम व्यक्ति को ऐसे कार्यों में आगे आना चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को राहत मिल सके।
इस पुण्य कार्य में सिविल सोसाइटी के सदस्य धर्मेंद्र राय, रण विजय पटेल, खिल्लू ठाकुर, अजय जाटव ,गोपाल ठाकुर, अशोक, दुबे जी पटेरा, शैलेंद्र सिंह, गोपाल रैकवार, अंकित सोनी, हर्षित तिवारी आदि उपस्थित रहे।

बच्चों एवं मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं : कलेक्टर कोचर

कलेक्टर श्री कोचर ने बच्चों के साथ किया मध्याह्न भोजन

जन चिंगारी सुरेन्द्र सिंह दमोह ।कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज तय किए गए निर्णय के अनुसार वे नियमित रूप से प्रत्येक सप्ताह मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता का प्रत्यक्ष आकलन करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में पिछले सप्ताह उन्होंने दमोह नगर के नगरीय क्षेत्र की आंगनवाड़ियों का भ्रमण कर बच्चों के साथ मध्याह्न भोजन किया था। कलेक्टर श्री कोचर आज जबेरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम परासई स्थित मिडिल स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों के साथ मध्याह्न भोजन किया। ज्ञात हो कि उक्त विद्यालय से मध्याह्न भोजन में कीड़े पाए जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं बच्चों के साथ भोजन किया तथा मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित स्व-सहायता समूह के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इस संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री कोचर ने इसके अतिरिक्त खमरिया बिजौरा एवं परासई स्थित स्वास्थ्य केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की जांच व्यवस्था की समीक्षा की तथा आंगनवाड़ियों में बच्चों के वजन एवं ऊंचाई मापन की व्यवस्थाओं का विस्तार से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को दूर करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

मृतकों को श्रद्धांजलि देने नहीं पहुँची महिला कांग्रेस की पदाधिकारी

श्याम खरे /छतरपुर। इंदौर में पिछले कुछ दिनों के दौरान दूषित पानी के सेवन से 20 लोगों की असमय मृत्यु की घटना को लेकर युवा कांग्रेस नेत्री प्रियंका अग्रवाल के नेतृत्व में महिला कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने छतरपुर के

छत्रसाल चौराहे पर कैंडल मार्च निकाला और मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की । ख़ास बात यह रही कि प्रदेश महिला कांग्रेस के निर्देश के बावजूद छतरपुर ज़िले की कोई भी महिला पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुई । महिला कांग्रेस पदाधिकारियों की कार्यक्रम में नामौजूदगी चर्चाओं में है । इससे पहले इस मामले को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गगन यादव के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने भी छतरपुर में राज्य सरकार के ख़िलाफ़ ज़ोरदार उग्र प्रदर्शन कर गिरफ्तारियां दी थी । हैरत की बात यह है कि इस कार्यक्रम से भी ज़िले के ज़्यादातर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने अज्ञात वजह से दूरी बनाकर रखी थी । कैंडल मार्च के दौरान युवा कांग्रेस नेत्री प्रियंका अग्रवाल ने इंदौर में दूषित पानी से 20 लोगों की मौत के लिए डॉक्टर मोहन यादव की सरकार और प्रशासन को सीधे ज़िम्मेदार ठहराया।

भ्रष्टाचार में लिप्त छतरपुर डीएफओ हटाए गए

श्याम खरे/छतरपुर। अपनी पदस्थापना के बाद से ही निर्भर होकर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार कर रहे छतरपुर डीएफओ सर्वेश सोनवानी का मध्य प्रदेश सरकार ने तबादला कर दिया है । उनके स्थान पर जबलपुर डीएफओ ऋषि मिश्रा को छतरपुर डीएफओ के पद पर तैनात किया गया है । डीएफओ सर्वेश सोनवानी छतरपुर से डीएफओ जन संपर्क एवं विक्रय डिपो

नई दिल्ली भेजे गए हैं । डीएफओ सर्वेश सोनवानी के तबादले की ख़बर से उनसे लंबे अरसे से प्रताड़ित छतरपुर ज़िले के कई वन अधिकारियों और कर्मचारियों ने आज एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी ख़ुशी का इज़हार किया । दूसरी तरफ़ डीएफओ सर्वेश सोनवानी के तबादले की ख़बर से भ्रष्टाचार और अनियमितताओं में लंबे अरसे से लिप्त उनके कृपा पात्र वन अधिकारी और कर्मचारी बेहद हताश नज़र आए । डीएफओ सर्वेश सोनवानी पर आरोप थे कि वे बकस्वाहा ,बाजना समेत विभिन्न रेंजों में वन संपदा का अवैध दोहन करवाकर इलाकाई वन अधिकारियों से अर्जित नाजायज़ कमाई में हिस्सा वसूल रहे थे । कई लोगों द्वारा दस्तावेज़ी सबूतों समेत की गई अनगिनत शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के निर्देश पर सर्वेश सोनवानी को छतरपुर डीएफओ के पद से हटाया गया है । वन सुधार के नाम पर छतरपुर डीएफओ सर्वेश सोनवानी पर बड़े पैमाने पर सरकारी धन राशि हड़पने का आरोप है ।

ऋषि मिश्रा छतरपुर के नए डीएफओ

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर वन मंडल के डीएफओ का प्रभार ऋषि मिश्रा संभालेंगे । वे जबलपुर से छतरपुर डीएफओ बनाए गए हैं । ऋषि मिश्रा के स्थान पर डिंडोरी से आईएफएस अफ़सर पुनीत सोनकर को जबलपुर डीएफओ बनाया गया है । सर्विस सोनवानी का तबादला दिल्ली किए जाने से छतरपुर डीएफओ का पद रिक्त हो गया था । ऋषि मिश्रासंभवत : सोमवार को छतरपुर डीएफओ का पद संभालेंगे।

एसडीएम मानपुर ने ज्वालामुखी आश्रम छात्रावास एवं माध्यमिक विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

(आशुतोष त्रिपाठी/जनचिंगारी-उमरिया)। अनुविभागीय दंडाधिकारी मानपुर सुश्री हरनीत कौर कलसी द्वारा दिनाँक 7 जनवरी 2026 को ज्वालामुखी आश्रम छात्रावास एवं माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान शीतकालीन अवकास समाप्ति के तीन दिन बीत जाने के बाद भी विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति शून्य रही जबकी आश्रम छात्रावास में 56 एवं माध्यमिक शाला में 60 बच्चे दर्ज हैं। मध्यान्ह भोजन की स्थित भी बदतर पाई गई विद्यार्थियों के खाने की जिसके लिए साफ सफाई रखने हेतु निर्देशित किया विद्यालय में विद्यार्थियों की संपूर्ण दर्ज उपस्थित सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश भी दिए गए।

गणतंत्र दिवस समारोह कार्यक्रम की तैयारी के संबंध में समीक्षा बैठक 12 जनवरी को

(आशुतोष त्रिपाठी/ जनचिंगारी-उमरिया) गणतंत्र दिवस समारोह वर्ष 2026 का आयोजन गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 26 जनवरी 2026 को सम्पन्न कराये जाने हेतु जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारी हेतु समीक्षा बैठक 12 जनवरी समय-सीमा (टी.एल.) बैठक के पश्चात आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

तहसीलदार की दबिश से हत्था में मचा हड़कंप

अमानक व प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर बड़ी कार्रवाई, दो मेडिकल स्टोर सील

अजय मिश्रा जन चिंगारी सीधी। जिले के रामपुर नैकिन थाना अंतर्गत ग्राम हत्था में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब तहसीलदार रामपुर नैकिन आशीष मिश्रा के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मेडिकल स्टोरों पर औचक निरीक्षण किया। तहसीलदार के पहुंचते ही कई मेडिकल स्टोर संचालकों ने आनन-फानन में अपने शटर गिरा दिए, जबकि कुछ संचालक मौके से फरार हो गए।

निरीक्षण के दौरान राजा मेडिकल स्टोर सहित एक अन्य बिना नाम एवं बिना पंजीयन वाले मेडिकल स्टोर में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। जांच में राजा मेडिकल स्टोर से बड़ी मात्रा में अमानक, एक्सपायरी डेट की दवाइयां तथा कई प्रतिबंधित दवाएं बरामद की गईं, जिनका विक्रय नियमों के तहत पूर्णतः निषिद्ध है। सबसे गंभीर बात यह सामने आई कि छोटे बच्चों को बिना किसी डॉक्टर की पर्ची के दवाइयां दी जा रही थीं, जो सीधे तौर पर बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। टीम ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई और तत्पश्चात राजा मेडिकल स्टोर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। इसके अलावा एक अन्य मेडिकल दुकान,

जहां न तो दुकान का नाम अंकित था और न ही कोई वैध पंजीयन संबंधी दस्तावेज प्रदर्शित किए गए थे, वहां भी भारी अनियमितताएं पाई गईं। नियमों के उल्लंघन के चलते उक्त दुकान को भी सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान दो-तीन अन्य मेडिकल स्टोर संचालक प्रशासनिक टीम को देखकर अपने-अपने शटर बंद कर फरार हो गए। टीम द्वारा उनसे संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन कॉल का भी कोई जवाब नहीं मिला।

इस संयुक्त कार्रवाई में मेडिकल ऑफिसर डॉ. सज्जन सिंह, उप निरीक्षक एम.एल. रावत, फार्मासिस्ट राम प्रकाश तिवारी, अमरीश शर्मा एवं पटवारी सचेंद्र पाण्डेय मौजूद रहे।

जिले भर में जरूरी है ऐसी सख्त कार्रवाई

जिले में अवैध रूप से मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिकों का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। सबसे ज्यादा हालात बहरी और सिहावल क्षेत्र में चिंताजनक हैं, जहां गली-गली में अवैध क्लीनिक संचालित हो रहे हैं। शहर में भी अस्पताल चौराहे से लेकर लगभग हर चौराहे और मोहल्लों में नियमों को ताक पर रखकर मेडिकल और क्लीनिक चलाए जा रहे हैं। पूर्व में चुरहट एसडीएम द्वारा बाजार क्षेत्र में कार्रवाई की जा चुकी है और अब फिर उनके नेतृत्व में बड़ी कार्रवाई हुई है। यदि जिले के सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र में इसी तरह सख्ती से अभियान चलाएं, तो अवैध चिकित्सा कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

इनका कहना है

लंबे समय से प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री और बच्चों को बिना डॉक्टर की पर्ची के दवा देने की शिकायतें मिल रही थीं। एसडीएम शैलेश द्विवेदी के निर्देश पर गठित टीम ने सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की है। आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा और आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

— आशीष मिश्रा, तहसीलदार, रामपुर नैकिन

वनमण्डल अधिकारी ईश्वर जरांडे के निर्देशन में बीट सुहेला में अनुभूति कार्यक्रम संपन्न

अनुभूति कार्यक्रम में रेंजर विक्रम चौधरी ने दी छात्र-छात्राओं को रोचक जानकारी

जन चिंगारी सुरेन्द्र सिंह दमोह ।वन विभाग व इको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा आयोजित अनुभूति कार्यक्रम वन मंडल अधिकारी ईश्वर जरांडे एवं उपवनमंडल अधिकारी एम.डी. मानिकपुरी के निर्देशन में दमोह रेंजर विक्रम चौधरी के मार्गदर्शन में दमोह रेंज के सुहेला बीट आर. एफ. 130 सिद्धबाबा धाम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शासकीय उ. मा. विद्यालय टौरी,

शासकीय उ. मा. विद्यालय मनका एवं इमलियाघाट से 130 छात्र/छात्राएं सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्राकृतिक नजारों का अनुभव कराया गया और अनुभूति के विशेष गीतों का आनंद उठाया गया। विद्यार्थियों को जंगल में वन भ्रमण कराया गया, जहां रेंजर विक्रम चौधरी, वन स्टॉफ एवं मास्टर ट्रेनर के द्वारा वनों में पाई जाने वाले औषधी पेड़ों की जानकारी दी गई। वन भ्रमण के दौरान मिले वन्य जीवों (खरा एवं चौसिंगा) की दिखाया गया जिससे छात्र-छात्राएं प्राकृतिक व रोचक जानकारी पाकर बहुत ही उत्साहित व खुश नजर आए। उन्होंने प्रश्नों को वन स्टॉप के समक्ष रखा जिनका रेंजर विक्रम चौधरी व मास्टर ट्रेनर के द्वारा समाधान किया गया।

सीधी चैलेंज कप-रोमांचक मुकाबले में एनएनएस भदोही 3 विकेट से विजयी, रांची टूर्नामेंट से बाहर

अजय मिश्रा जन चिंगारी सीधी। अखिल भारतीय आमंत्रण क्रिकेट टूर्नामेंट सीधी चैलेंज कप सीजन-9 के पांचवें दिन स्थानीय छत्रसाल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दर्शकों को जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। समय प्रेस एनएनएस भदोही (उत्तर प्रदेश) और कमला कॉलेज रॉक मेंस रांची के बीच खेले गए इस नॉकआउट मुकाबले में एनएनएस भदोही ने 3 विकेट से शानदार जीत दर्ज करते हुए रांची को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। सुबह आयोजित टॉस कार्यक्रम में टूर्नामेंट आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अनूप मिश्रा की मौजूदगी में रांची फ्रेंचाइजी नीरज शर्मा और भदोही फ्रेंचाइजी कुशाग्रपति त्रिपाठी के साथ दोनों टीमों के कप्तानों ने टॉस में भाग लिया। टॉस

जीतकर भदोही ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉक मेंस रांची की टीम ने 30 ओवर में 181 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। रांची की ओर से पवन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 10 चौके और 1 छक्के की मदद से 72 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एनएनएस भदोही की टीम ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और महज 24.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। भदोही की जीत में आमिर का प्रदर्शन निर्णायक रहा, जिन्होंने 8 चौकों और 1 छक्के की मदद से 63 रन की शानदार पारी खेली। इसी शानदार प्रदर्शन के लिए आमिर को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार राजेश सिंह और सौरभ सिंह द्वारा प्रताप मार्बल मैन ऑफ द मैच ट्रॉफी के रूप में प्रदान किया गया।

मैच में अंपायर की भूमिका राकेश सिंह चंदेल और जितेंद्र गुप्ता ने निभाई। स्कोरर बी. कृष्ण कुमार व हर्ष गुप्ता, जबकि कमेंट्री प्रेम कुमार, बालेंद्र कुशवाहा और सौरभ सिंह ने की।

आज भिड़ेंगी सीधी इलेवन और भदोही यूपी : सीधी चैलेंज कप सीजन-9 के पूल-ए का छठवां मुकाबला आज शुक्रवार को छत्रसाल स्टेडियम, सीधी में खेला जाएगा। यह मैच टाटा कॉलेज सीधी इलेवन और समय प्रेस एनएनएस क्रिकेट अकादमी भदोही (उत्तर प्रदेश) के बीच सुबह 10 बजे से शुरू होगा। टाटा कॉलेज सीधी इलेवन अब तक अपने दोनों मुकाबले जीत चुकी है और यदि आज का मैच भी जीत लेती है तो फाइनल में पहुंचने की राह आसान हो जाएगी।

शीत लहर के आगोश में सीधी जिला

न्यूनतम तापमान 5 डिग्री, घना कोहरा बना मुसीबत

अजय मिश्रा जन चिंगारी सीधी। जनवरी माह की शुरुआत के साथ ही सीधी जिला कड़ाके की ठंड और शीत लहर की चपेट में आ गया है। देर रात से सुबह तक घना कोहरा छाया रहने के कारण न्यूनतम तापमान गिरकर 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। ठंड के साथ कोहरे की मार से जिले का सामान्य जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

सुबह के समय घना कोहरा इतना गहरा रहता है कि सड़कों पर कुछ ही दूरी पर खड़े लोग तक दिखाई नहीं देते। हालात यह हैं कि सूर्यदेव के दर्शन भी सुबह करीब 11 बजे के बाद ही हो पा रहे हैं। कोहरे के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह 8 बजे तक वाहनों को लाइट जलाकर चलाने की मजबूरी बनी हुई है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। दिन के तापमान में गिरावट के चलते लोगों को दिन में भी ठिठुरन भरी गलन का एहसास हो रहा है। गलन ऐसी है कि लोग गर्म कपड़ों में पूरी तरह लिपटे नजर आ रहे हैं। रोजमर्रा के कार्य कड़ाके की ठंड के बीच मजबूरी में निपटाए जा रहे हैं। छोटे कारोबारी भी देर शाम तक सड़कों के किनारे ठंड में ही दुकानें सजाकर बैठे दिखाई दे रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में शीत लहर और घने कोहरे का असर अधिक देखने को मिल रहा है। खेतों में सिंचाई का कार्य कर रहे किसानों को भी कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। सर्दी से बचाव के लिए ग्रामीण इलाकों में लोग अलाव जलाकर हाथ सेंकते नजर आए। वहीं, फसलों पर पाले की आशंका भी गहराने लगी है। विशेषज्ञों के अनुसार आलू, मटर, धनिया, सरसों और अरहर जैसी संवेदनशील फसलों को पाले से नुकसान की संभावना है। तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने पर पाला पड़ने का खतरा और बढ़ जाता है।

मौसम विभाग के मुताबिक दिसंबर के अंतिम सप्ताह से शुरू हुई शीत लहर जनवरी के पहले सप्ताह में अपने चरम पर पहुंच गई है। आने वाले दिनों में उत्तर भारत की ओर से चलने वाली बर्फीली हवाओं के कारण ठंड और बढ़ने की संभावना है। यह स्थिति मकर संक्रांति तक बनी रह सकती है। ऐसे में लोगों को ठंड से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

लगातार गिर रहा अधिकतम तापमान

कोहरे और ठिठुरन भरी गलन के चलते जिले के अधिकतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार-

गुरुवार- अधिकतम 14एष्ट, न्यूनतम 5एष्ट

बुधवार- अधिकतम 16एष्ट, न्यूनतम 6एष्ट

मंगलवार- अधिकतम 17एष्ट, न्यूनतम 7एष्ट

मौसम विभाग का कहना है कि सर्द हवाओं के चलने से शीत लहर का प्रकोप और बढ़ सकता है, जिससे तापमान में और गिरावट दर्ज की जाएगी।

जंगल में हाथी का कहर: युवक को कुचलकर किया गंभीर घायल

संजय टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में दहशत, ग्रामीणों में भय का माहौल

अजय मिश्रा जन चिंगारी सीधी। जिले के संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र में जंगली हाथी के आतंक की एक और भयावह घटना सामने आई है। ठंड से बचाव के लिए जंगल में लकड़ी बिनने गए एक युवक पर जंगली हाथी ने हमला कर उसे बेरहमी से कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को जिला चिकित्सालय सीधी में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

घटना संजय टाइगर रिजर्व के वन परिक्षेत्र पोंडी के कोर एरिया अंतर्गत ग्राम कुंदौर की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवपूजन सिंह पिता गणेश सिंह (उम्र 27 वर्ष), निवासी कुंदौर, बीती दोपहर करीब 12 बजे जंगल में सूखी लकड़ी बिनने गया था। इसी दौरान दिठोर नाला के पास उसका अचानक एक जंगली हाथी से सामना हो गया।

हाथी को सामने देखकर युवक घबरा गया और जान बचाने के लिए दौड़ पड़ा, लेकिन कुछ दूरी पर वह फिसलकर औंधे मुंह गिर गया। पीछे से पहुंचे हाथी ने युवक की कमर, कूल्हे और पैर को बुरी तरह कुचल दिया और

आगे बढ़ गया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हाथी के चले जाने के बाद घायल युवक दर्द से कराहता हुआ किसी तरह खुद को घसीटते हुए पास के वॉच टावर तक

पहुंचा और मोबाइल फोन से परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और वन विभाग को अवगत कराया। जानकारी मिलते ही संजय टाइगर रिजर्व के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल जिला चिकित्सालय सीधी पहुंचाकर भर्ती कराया गया।

ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग पर उठे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि करीब चार माह पूर्व दो जंगली हाथी सीधी-शहडोल सीमा की बनास नदी पार कर संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पहुंचे थे। लगातार शिकायतों के बाद वन विभाग ने एक हाथी को ट्रेंकुलाइज कर बांधवगढ़ भेज दिया था, लेकिन एक हाथी अब भी क्षेत्र में अकेले स्वच्छंद घूम रहा है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथी की निगरानी बढ़ाने, प्रभावित क्षेत्रों में गश्त तेज करने और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

शासन की स्वीकृत रेत खदानों में नियमों की अनदेखी, ठेकेदारों द्वारा खुलेआम अवैध खनन

दैनिक जन चिंगारी /राजकुमार सिंह अनूपपुर । जिले में शासन द्वारा स्वीकृत रेत खदानों में खनन कार्य को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि कई स्थानों पर ठेकेदार शासन द्वारा निर्धारित खनिज नियमों और पर्यावरणीय शर्तों का उल्लंघन करते हुए मनमाने ढंग से रेत का उत्खनन कर रहे हैं। इससे न केवल सरकारी राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि नदी-नालों के प्राकृतिक संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिन रेत खदानों को विधिवत नीलामी प्रक्रिया के तहत स्वीकृति दी गई थी, वहां खनन की तय सीमा, समय और तकनीकी मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। नियमों के मुताबिक, रेत खनन सीमित गहराई तक और निर्धारित क्षेत्र में ही किया जाना चाहिए, लेकिन कई खदानों में इससे कहीं अधिक गहराई तक मशीनों के जरिए खनन किया जा रहा है।

दागियों को खदानों की कमान : वैसे तो जिले में रेत के ठेका का काम मेसर्स एसोसिएट कॉमर्स को मिला हुआ है, लेकिन अंदर की खबर यह है कि रिकॉर्ड के बाहर इन खदानों की कमान जिले के चचाई निवासी सिंह बंधुओं

के पास है, बहुचर्चित सिंह बंधु पूर्व में भी जिले में रेत खदानों का संचालन करते रहे हैं, खनिज विभाग में सेटिंग, लोकल मैनेजमेंट में माहिर इन सिंह के कारनामे जिले भर में चर्चा में रहते हैं, सूत्रों की माने तो इनके ऊपर पूर्व में भी खनिज विभाग का करोड़ों का जुर्माना लंबित है, इसी जुर्माने से बचने के लिए ये बाहरी ठेकेदारों को अपनी ढाल बनाते हैं ।

निर्धारित सीमा से अधिक खनन : खनिज विभाग द्वारा जारी नियमों के अनुसार, रेत खनन के दौरान नदी की सतह से एक निश्चित गहराई से अधिक खुदाई प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कई स्थानों पर जेसीबी और पोकलेन मशीनों का उपयोग कर नदी तल को गहराई तक खोदा जा रहा है। इससे नदी का प्रवाह बाधित हो रहा है और आसपास के इलाकों में कटाव का खतरा बढ़ गया है।

श्री सांई महाविद्यालय में एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम एवं एनीमिया मुक्त अभियान संपन्न

100 छात्र-छात्राओं का हुआ एनीमिया परीक्षण, विशेषज्ञों ने दी स्वास्थ्य संबंधी अहम जानकारी

अजय मिश्रा जन चिंगारी सीधी। श्री सांई महाविद्यालय सीधी में भारत विकास परिषद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार दिनांक 8 जनवरी 2026 को एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम एवं एनीमिया मुक्त अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से 100 छात्र-छात्राओं का एनीमिया परीक्षण कर स्वास्थ्य जांच की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बबिता खरे द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती रिचा सिंह (जिला अध्यक्ष, भारत विकास परिषद), श्रीमती ज्योति दुबे एवं डॉ. अजय प्रजापति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सांई महाविद्यालय की संचालिका श्रीमती रचना मिश्रा ने की।

मुख्य अतिथि डॉ. बबिता खरे ने छात्र-छात्राओं को एनीमिया के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि संतुलित आहार एवं नियमित स्वास्थ्य जांच से इस बीमारी से बचा जा सकता है। वहीं डॉ. अजय प्रजापति ने एनीमिया के साथ-साथ एचआईवी जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव एवं सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए विद्यार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम में श्रीमती ज्योति दुबे ने पोषणयुक्त आहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सही खान-पान से कई बीमारियों से बचाव संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं श्रीमती रचना मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को नियमित दिनचर्या, संतुलित भोजन एवं व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

विशेष अतिथि श्रीमती रिचा सिंह (जिला अध्यक्ष, भारत विकास परिषद) ने एनीमिया, कुपोषण, तनाव एवं मासिक धर्म संबंधी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए छात्राओं को इनसे सुरक्षित रहने के प्रभावी उपाय बताए। एनीमिया परीक्षण का कार्य श्रीमती मधुलिका सिंह (सीएचओ, पिपरोहर) की उपस्थिति में किया गया, जिसमें महाविद्यालय के कुल 100 छात्र-छात्राओं की जांच की गई।

कार्यक्रम में परिषद सदस्य डॉ. सौरभी गुप्ता, डॉ. अजय प्रजापति, डॉ. रश्मि प्रजापति, श्रीमती नीति केसरवानी, श्रीमती मंजू शुक्ला, महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राचार्य इंजीनियर पीयूष सिंह बघेल ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का मंच संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्री सूरज नामदेव द्वारा किया गया।

हिन्दू जागरण मंच ने प्रांत संयोजक सुमित जायसवाल को पद से हटाया!

महिलाओं के गंभीर आरोपों और वायरल आपत्तिजनक कंटेंट के बाद संगठन का बड़ा फैसला

अजय मिश्रा जन चिंगारी सीधी। हिन्दू जागरण मंच के प्रांत संयोजक एवं सीधी निवासी सुमित जायसवाल को संगठन ने गंभीर विवादों के चलते उनके सभी पदों और जिम्मेदारियों से हटा दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित आपत्तिजनक कंटेंट, तस्वीरों और महिलाओं द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद यह कार्रवाई की गई है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने तक सुमित जायसवाल केवल साधारण कार्यकर्ता के रूप में ही संगठन से जुड़े रहेंगे।

हिन्दू जागरण मंच की प्रांत इकाई के अनुसार, सोशल मीडिया के माध्यम से सुमित जायसवाल से जुड़ी कुछ ऐसी सूचनाएं, तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, जिनमें उनका नाम सीधे तौर पर जुड़ा बताया जा रहा है। इनकी प्रामाणिकता की जांच अभी जारी है, लेकिन संगठनात्मक मर्यादा, अनुशासन और छवि को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

एक माह पहले ही लिया गया था

फैसला: प्रांत संचालक अनूप सिंह (जबलपुर) ने बताया कि लगभग एक माह पूर्व आयोजित संगठन की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था कि विवाद समाप्त होने और जांच रिपोर्ट आने तक सुमित जायसवाल को किसी भी प्रकार की संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। बीते एक माह से उन्हें मंच की ओर से कोई नई भूमिका या दायित्व नहीं सौंपा गया है।

महिलाओं के आरोपों से मामला गंभीर

मामले में महिलाओं द्वारा लगाए गए आरोप सबसे अधिक गंभीर बताए जा रहे हैं। सीधी की एक महिला, जो स्वयं को हिन्दू जागरण मंच की पूर्व पदाधिकारी बताती हैं, ने सुमित जायसवाल पर मारपीट, गाली-गलौज, छेड़छाड़ तथा मानसिक व शारीरिक शोषण जैसे आरोप लगाते हुए सीधी कोतवाली एवं पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत दी है।

वहीं एक अन्य महिला ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के माध्यम से आरोप लगाया है कि सुमित जायसवाल ने रात के समय रास्ता रोककर अभद्रता की, गलत नीयत से पकड़ने का प्रयास किया और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया। महिला ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है।

सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों से मचा बवाल

हाल ही में सोशल मीडिया पर सुमित जायसवाल से जुड़ी कुछ कथित आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें उन्हें एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाए जाने का दावा किया जा रहा है। इन पोस्टों के बाद स्थानीय सोशल मीडिया पेजों, रील्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है।

जांच के बाद तय होगा भविष्य ञ्च अनूप सिंह

प्रांत संचालक अनूप सिंह ने कहा कि संगठन किसी भी मामले में जल्दबाजी में निर्णय नहीं लेता। जांच रिपोर्ट, पुलिस कार्रवाई और तथ्यों के सामने आने के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो सुमित जायसवाल के खिलाफ संगठनात्मक और कानूनी स्तर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुझे कोई जानकारी नहीं : सुमित जायसवाल

पद से हटाए जाने के बाद सुमित जायसवाल ने कहा कि मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। आपको जहां से जानकारी मिली है, वहीं बात करिए। मैं इस विषय में कुछ भी नहीं बोल सकता।

संक्षिप्त समाचार

सीईओ जिला पंचायत ने मानपुर के विभिन्न ग्रामों में निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

(आशुतोष त्रिपाठी/ जनचिंगारी-उमरिया) मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने मानपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बचहा, सलैया, बड़छड़, अमरपुर में चल रहे निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने ग्राम पंचायत बचहा में 12 लाख रूपये की लागत से बन रहे सामुदायिक भवन, 37.5 लाख रूपये की लागत से बन रहे ग्राम पंचायत भवन, जल गंगा

संवर्धन अभियान के तहत 9 लाख रूपये की लागत से बन रहे तालाब का अवलोकन किया, जो पूर्णता की ओर होना पाया गया। इसी तरह ग्राम पंचायत सलैया में बन रहे पंचायत भवन लागत 37.5 लाख रू0, ग्राम पंचायत बड़छड मे बन रहे ग्राम पंचायत भवन लागत 37.5 लाख रूपये, सामुदायिक भवन तथा ग्राम पंचायत अमरपुर में पीएम जन मन योजना के तहत 12 लाख रूपये की लागत से बन रही आंगनवाड़ी केंद्र, निर्माणाधीन ग्राम पंचायत भवन 37.5 लाख रूपये का निरीक्षण किया। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि समस्त निर्माण कार्यो को पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही बरती जाए। साथ ही समस्त निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि यहां के ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सके। ग्राम पंचायत अमरपुर के निरीक्षण के दौरान उन्होने हितग्राही मूलक योजना मां की बगिया की हितग्राही सुखमंती साहू एवं लक्ष्मी साहू की बगिया का अवलोकन किया। जहां पर गड्ढे खुदा होना पाया गया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि 50 फलदार पौधो का रोपण मां की बगिया मे किया जाना है।

पेयजल संकट से राहत की पहल, नगर पालिका ने दुरुस्त की जर्जर पाइपलाइनें

टीकमगढ़। शहरवासियों को सुचारु और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पालिका की जलप्रदाय टीम ने विभिन्न वार्डों में बिछाई गई पेयजल पाइपलाइनों में हो रहे लीकेज का सुधार कार्य किया। यह कार्रवाई कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी के

मार्गदर्शन में की गई। नगर के चकरा तिगैला क्षेत्र में आशीर्वाद गार्डन के सामने, रामजी नायक की गली, राजमहल रोड, तमिर्याई गली तथा शेखों की मस्जिद वाली लाइन सहित कई स्थानों पर लंबे समय से पाइपलाइन लीकेज की समस्या सामने आ रही थी। इससे न केवल पानी की बर्बादी हो रही थी, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में गंदगी और जलदाब की समस्या भी उत्पन्न हो रही थी। नगर पालिका की जलप्रदाय टीम ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की पहचान की और त्वरित मरम्मत कर लीकेज को दुरुस्त किया। सुधार कार्य के दौरान तकनीकी मानकों का पालन करते हुए पाइप जोड़ों को मजबूत किया गया, ताकि भविष्य में दोबारा रिसाव की स्थिति न बने। नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि शहर में जलप्रदाय व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

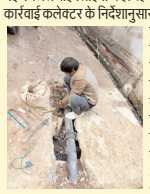

निर्मल मुंडा की हैट्रिक से चमका मैदान : अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में रोमांच चरम पर

राजीव रावत/धनपुरी। नगर पालिका परिषद धनपुरी के तत्वावधान में सुभाष स्टेडियम क्रमांक-3 में आयोजित अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। देश की नामचीन टीमें उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक जज्बे के साथ मैदान में

दमदार प्रदर्शन कर रही हैं। पहला मुकाबला- नागपुर का दबदबा 7 जनवरी को खेले गए पहले मुकाबले में साउथ ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे हेडक्वार्टर नागपुर ने राजस्थान पुलिस, राजस्थान को 4-1 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मैच के स्टार खिलाड़ी निर्मल मुंडा रहे, जिन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक गोल दागी और इस टूर्नामेंट में हैट्रिक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। मैच की शुरुआत से ही नागपुर की टीम आक्रामक रही। छठे ही मिनट में थुशाल ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद नागपुर की टीम ने खेल पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और राजस्थान पुलिस को वापसी का कोई ठोस अवसर नहीं दिया।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा मुंबई सेमीफाइनल में प्रवेश

राजीव रावत/धनपुरी। नगर पालिका परिषद धनपुरी के तत्वाधान में सुभाष स्टेडियम में आयोजित हो रहे फुटबॉल प्रतियोगिता में दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में बैंक ऑफ़ बड़ौदा मुंबई में एनएफसी इंदौर को दो गोल मारकर

सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल मैच प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा उपस्थिति रही। अध्यक्षता नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा ने की विशिष्ट अतिथि के तौर पर सांसद प्रतिनिधि इंद्रजीत सिंह छाबड़ा उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल शोभाराम पटेल जिला महामंत्री भाजपा अमित मिश्रा भूपेंद्र मिश्रा मंडल अध्यक्ष अजय शर्मा धनपुरी विनीता जयसवाल पूर्व अध्यक्ष धीरू सिंह परिहार पार्षद शोभाराम पटेल सहित अन्य पार्षद उपस्थित रहे। शुक्रवार 9 जनवरी को पहला सेमीफाइनल मैच एसईसीआर नागपुर एवं न्यू स्पोर्टिंग फुटबॉल क्लब चर्चा छत्तीसगढ़ के मध्य खेला जाएगा। प्रतियोगिता का फाइनल मैच आगामी 11 जनवरी को खेला जाएगा।

शिक्षको एवं कर्मचारियो के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिये प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

रमाकांत रजक/पृथ्वीपुर। नगर के ओरछा रोड स्थित महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण शिविर का एक दिवसीय आयोजन किया गया जिमसें स्वास्थ्य को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है।
शासकीय महाविद्यालय में गुरूबार को महाविद्यालय के शिक्षकों एवं

कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से काउंसलर नीलम यादव एवं एवीएन डॉक्टर अहिरवार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में काउंसलर नीलम यादव द्वारा कार्यस्थल पर अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान कैसे रखें। विषय पर विस्तारपूर्वक एवं व्यावहारिक चर्चा की गई, जिससे उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता प्राप्त हुई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पदम नारायण द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए गए। साथ ही उपस्थित विशेषज्ञों के साथ इस विषय पर सार्थक संवाद किया गया।

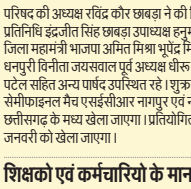

अवैध रेत उत्खनन में लगी पोकलेन मशीन जप्त

राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त कार्यवाही

सिंगरौली। जिले में अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध जारी अभियान के तहत राजस्व एवं खनिज विभाग के संयुक्त दल द्वारा ग्राम भुड़कुड़ में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वीकृत लीज क्षेत्र से बाहर अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए एक पोकलेन मशीन को मौके से जप्त किया गया।

कलेक्टर सिंगरौली गौरव बैनल के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी माडा नंदन तिवारी, सहायक खनिज अधिकारी रामसुशील चौरसिया एवं तहसीलदार माडा द्वारा ग्राम भूड़कुड में स्वीकृत रेत खदान में सीमा से बाहर खनन करते हुए 01 पीसी मशीन जप्त कर अवैध रेत उत्खनन का प्रकरण बनाया गया तथा पीसी मशीन जप्त की गई प्रकरण में खनिज नियमों के तहत अग्रिम कार्रवाई की जावेगी। इस संबंध में जिला खनिज अधिकारी सुश्री आकांक्षा पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान मयार नदी में स्वीकृत उत्खनन क्षेत्र से लगभग 200 मीटर दूर अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा था। अवैध उत्खनन के कारण नदी के प्राकृतिक जल बहाव में परिवर्तन हुआ है तथा नदी की पारिस्थितिकी को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि नदी के मध्य भाग में भारी मशीनों से उत्खनन किए जाने के कारण बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिनमें जल भराव हो गया है। इससे पूर्व में जनहानि एवं दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। साथ ही नदी के बीच उत्खनन के कारण जल ठहराव की समस्या उत्पन्न हो गई है, जिससे आसपास के क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। यह भी बताया गया है कि स्वीकृत लीज क्षेत्र से बाहर किए गए अवैध उत्खनन से समीपस्थ पट्टेदारों की भूमि प्रभावित हुई है तथा पूर्व से प्रचलित मार्ग भी अवरुद्ध हो गया है। अवैध रेत उत्खनन के कारण स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त सभी तथ्यों की जांच के पश्चात अवैध उत्खनन में संलग्न पोकलेन मशीन को जप्त कर विधिसंगत कार्रवाई की गई।

डॉ. प्रियंका शारदे बर्खास्त-जिला अस्पताल में गर्भवती महिलाओं से अवैध वसूली, दुर्व्यवहार पर NHM की कार्रवाई

रामकिशन जन चिंगारी/हरदा। जिला अस्पताल में पदस्थ संविदा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका शारदे का अनुबंध राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेश ने गुरुवार को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया। कार्रवाई गर्भवती महिलाओं से राशि वसूलने, मरीजों से दुर्व्यवहार और कर्तव्यों में लापरवाही की कई शिकायतों के बाद की गई है। वरिष्ठ संयुक्त संचालक मातृ स्वास्थ्य, एनएचएम, डॉ. अर्चन मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी किया। मुख्य

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह से मिली जानकारी के अनुसार, डॉ. शारदे पर कई हितग्राहियों ने सिजेरियन ऑपरेशन के बदले 8 हजार रुपए की अनाधिकृत राशि मांगने का आरोप लगाया था। जांच समिति के निरीक्षण के दौरान, अन्य नवजातों के माता-पिता ने भी 5 हजार से 8 हजार रुपए तक की राशि देने की बात कही थी। विवाद कर अभद्र व्यवहार किया था डॉ. शारदे के खिलाफ लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एक जांच टीम का गठन किया गया था, जिसने विभिन्न लोगों के बयान दर्ज किए। सिटी कोतवाली के एएसआई जितेंद्र सिंह राजपूत और आरक्षक हरिप्रसाद पटेल ने बताया कि डॉ. शारदे ने मरीजों और उनके परिजनों से अनावश्यक विवाद कर अभद्र व्यवहार किया था। पैसों की मांग करने का भी आरोप महिला थाने में पदस्थ आरक्षक उमा सेंगर ने शिकायत की थी कि डॉ. शारदे ने एक बलात्कार पीड़िता की एमएलसी करने में आनाकानी की और उसे भोपाल जाने को कहा।

शासकीय शिक्षक दिवाकर तिवारी के विरुद्ध बेदखली आदेश के क्रियान्वयन पर तहसीलदार को आ रहा पसीना

अमझोर /जयसिंहनगर /शहडोल। ग्राम अमझोर के शासकीय शिक्षक दिवाकर तिवारी के विरुद्ध न्यायालय कलेक्टर शहडोल द्वारा प्रकरण क्रमांक 0003 /अ 74/2024 - 25 आदेश दिनांक 23/12/2025 को बेदखली की कार्रवाई 7 दिवस के भीतर शक्ति से कार्रवाई कर बेदखल करना है। बेदखली की कार्रवाई में आवश्यकता पड़ने पर सिविल जेल की कार्रवाई कर अनाधिकृत कब्जा हटाने का आदेश क्रियान्वयन नायब तहसीलदार अमझोर को किया जाना है परंतु नायब तहसीलदार की कार्य प्रणाली संदेहास्पद पर नजर आ रही है, आदेश को हुए विगत 15 से 16 दिन से ऊपर बीत चुके हैं, आज दिनांक तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। गरीब लोगों के विरुद्ध शासन प्रशासन मुस्तैद नजर आता है परंतु बड़े और रसूखदारों पर कारवाई करने में प्रशासन नाकाम होकर अधिकारियों के पसीने छूट जाते हैं। विगत 7 वर्षों से प्रकरण चल रहा है शासकीय शिक्षक ने प्रकरण क्रमांक 0039 / अ - 74 / 2019-20 आदेश दिनांक 6/ 7/ 2020 को ?10000 /- का अर्थदंड से अधिरोपित किया गया था, शासकीय शिक्षक ने शासकीय भूमि कब्जा स्वीकार किया था। इसके बाद भी अपने नैतिक कर्तव्य का निर्वहन क्यों कर रहा है ? यह समझ से परे है, शिक्षा विभाग के साथ अन्य विभागों ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की सम्पूर्ण कार्रवाई में शासन प्रशासन के अधिकारी शिक्षक दिवाकर तिवारी के बचाव में खड़े नजर आ रहे हैं। ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है क्योंकि अपर कलेक्टर शहडोल ने हल्का पटवारी श्रुति तिवारी और

राजस्व निरीक्षक के गैर जिम्मेदाराना तरीके से विवादित भूमि के संबंध में त्रुटि पूर्ण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने पर दंडात्मक कार्रवाई करते हुए न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया गया था, विगत 5 वर्षों में आदेश का पालन तहसीलदार के द्वारा नहीं किया गया। आवेदक ओंकार सिंह ने उच्च न्यायालय में रिट पिटीशन क्रमांक 16603/2024 में पारित के निर्णय दिनांक 15/ 7/.2025 को कलेक्टर शहडोल को 90 दिवस में कार्रवाई कर शासकीय रकवे को रिक्त करना था, 6 माह में कलेक्टर महोदय शहडोल द्वारा 0003 /अ- 74 / 2025 आदेश पर कार्रवाई करने का भार तहसीलदार वृत्त अमझोर को आदेशित किया है, वरिष्ठ न्यायालय के आदेशों का महत्व यही समझ में आता है कि न्यायालय की कार्य प्रणाली कितनी अच्छी है, गरीबों को न्याय कहां से मिलेगा।

जिसके पास सक्षम प्राधिकारी की अनुज्ञा है उसी कॉलोनी में प्लॉट खरीदे: कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय

जिला कॉलोनी सेल की बैठक आयोजित

टीकमगढ़। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की अध्यक्षता में आज जिला कॉलोनी सेल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वैध कॉलोनियों के विकास के प्राप्त प्रस्तावों को विकास अनुमति देने के संबंध में परीक्षण किया गया एवं प्रस्तावित 5 निजी कॉलोनियों के लंबित प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला कॉलोनी विकास प्रभारी अधिकारी एवं एसडीएम टीकमगढ़ श्रीमती संस्कृति मुदित लटौरिया, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अंजली शर्मा एवं श्री निशांत भूरिया, पीओ डूडा सुश्री शिवी उपाध्याय, मुख्य नगर पालिका टीकमगढ़

सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया, कॉलोनाइजर्स हरेंद्र प्रताप सिंह, शहीद खान, नरेंद्र कुमार जैन, अमित भास्कर, संतोष यादव सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में हरेंद्र प्रताप सिंह ने अपनी फर्म वासुदेव टाउन फेस-1 ग्राम तखा (जिला टीकमगढ़) ग्रामीण क्षेत्र की कॉलोनी के संबंध में प्रेजेंटेशन के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी गई एवं वैध कॉलोनी के निर्माण में उनके द्वारा अपनाए गए सभी मापदंडों को साझा किया गया।

बैठक में कलेक्टर द्वारा जानकारी दी गई कि वैध कॉलोनी के सभी नियम जैसे कॉलोनाइजर के रूप में रजिस्ट्री प्राधिकरण, कॉलोनी विकास अनुज्ञा, अनापत्ति प्रमाण पत्र, टीएनसीपी से लेआउट सैंक्शन कराकर टीएनसीपी की एनओसी, ईडब्ल्यूएस के लिए भूखंड आरक्षण उपबंधों की नियमानुसार पूर्ति आदि सभी दस्तावेजों के गाइडलाइन के अनुसार सही पाए जाने पर विकास अनुमति का निर्णय लिया जाता है। जिला कॉलोनी सेल प्रभारी अधिकारी एवं एसडीएम टीकमगढ़ श्रीमती संस्कृति मुदित लटौरिया ने बताया कि सभी कॉलोनाइजर्स चेकलिस्ट के अनुरूप रिक्तता की पूर्ति करें पूर्ति उपरांत प्रस्तावों के सही पाए जाने पर निर्णय लिया जाएगा। श्रोत्रिय ने बताया कि नियमों के अनुरूप विकास, अनुमतियाँ और सेवाएँ मिलने वाली कॉलोनियों में ही निवेश सुरक्षित माना जाता है। इसीलिए सभी नगरवासियों से अपील है कि केवल वैध कॉलोनी में ही निवेश करें। अवैध कॉलोनी में प्लॉट लेने पर ना तो नामांतरण होगा ना ही बैंक से लोन मिलेगा। वैध कॉलोनी में ही निवेश करें ताकि भविष्य में परेशान न होना पड़े। बैठक में कलेक्टर श्रोत्रिय ने स्पष्ट किया कि भविष्य में शहर के विकास, विस्तार एवं मांग को देखते हुए कॉलोनियों के विकास में शासन के नियमों एवं मानकों का कड़ाई से पालन किया जाये एवं विकास का मास्टर प्लान टीएनसीपी की गाइडलाइन के अनुरूप हो जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें और शहर के लिए एक बेहतर टाउन प्लान बने।

फोटो स्टूडियो की दुकान में लगी आग लाखो का सामान जलकर हुआ खाक

रमाकांत रजक/पृथ्वीपुर। नगर के जेरोन रोड स्थित फोटो स्टूडियो एवं किराना की दुकान में बीति रात्रि में विद्युत शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग जाने से दुकान में रखा सामान जलकर राख हो गया है। नगर के वार्ड नम्बर 3 जेरोन रोड छिरई मुहल्ला स्थित स्वास्तिक फोर के फूल एचडी मिक्सिग बीडियो एवं फोटो शूटिंग दुकान के मालिक पिंटू शुक्ला ने थाने में आगजनी की रिर्पोट दर्ज कराई कि बुधवार की रात्रि में घर के सभी सदस्य भोजन करके अपने कमरो में सोने के लिये चले गये और रात्रि में अचानक विद्युत के तारो से हुये शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई और जब तक परिजनो को इस भीषण सर्दी के मौसम में आग लगने का पता चला तब तक दुकान में रखा बीडियो केमरे, हार्ड डिस्क, फोटो केमरे, कम्प्यूटर व अन्य सामान जलकर राख हो गया। जिसकी कीमत 15 लाख के लगभग है। पुलिस ने इनकी रिर्पोट पर मामला दर्ज किया है।

केशवगढ में 10 लाख की विधायक निधि से निर्माण कार्यो का विधायक ने किया लोकार्पण

पृथ्वीपुर। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत केशवगढ में विधायक निधि से निर्मित सामुदायिक भवन सीसी रोड और चबूतरा आदि के निर्माण कार्यो का विधायक नितेन्द्र सिंह राठौर के द्वारा लोकार्पण किया गया है। विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत केशवगढ में विधायक निधि से ग्राम के छर्रे की बरिया के पास सामुदायिक भवन, हरदौल बाबा के पास सीसी रोड, चबूतरा निर्माण, राम चबूतरा निर्माण एवं खादी बाबा के पास सीसी रोड आदि निर्माण कार्यो के क्षेत्रीय विधायक नितेन्द्र सिंह राठौर के

मुख्यातिथ्य में निर्माण कार्यो के लोकापर्ण किये गये है। विधिवत वैदिक मंत्रोचार पूजन अर्चन कर किया गया। उन्होने उपस्थित ग्रामीणो को समस्याओ को सुना और संबधित विकासखण्ड जतारा के अधिकारियो कर्मचारियो को निराकरण के लिये निर्देशित किया गया। साथ ही उन्होने उपस्थित लोगो को संबोदित करते हुये कहा कि क्षेत्र के विकास के प्रति जन विश्वास और सहभागिता के साथ निंरतर क्षेत्र के विकास में लगे हुये है। और विकास कार्यो को लेकर ग्रामो के ग्रामीणो से निरंतर चर्चा कर जनता के जरूरत अनुसार विकास कार्य कराये जा रहे है। क्षेत्र के विकास कार्यो में कोई कसर नही छोडी जा रही है। उनका एक ही मकसद है कि वह जन सेवा जन विकास और जन विश्वास के संकल्प के साथ निंरतर समग्र विकास के लिये प्रयास कर रहे है।

शीतलहर का प्रकोप चरम पर, कोहरा-सर्द हवाओं से ठिठुरा जनजीवन

अगले चार दिन कड़ाके की ठंड के, बुजुर्गों-बच्चों के लिए बढ़ा खतरा

टीकमगढ़। जिले में शीतलहर का प्रकोप लगातार जारी है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। गुरुवार सुबह भी घना कोहरा छाया रहा और सर्द हवाओं ने ठंड का असर और बढ़ा दिया। बीते बुधवार को दिन का तापमान गिरकर 18 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि रात का पारा 7.5 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल ठंड से राहत मिलने के कोई आसार नहीं हैं।

भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 17.4 डिग्री और न्यूनतम 6.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। सोमवार को अधिकतम 19.5 और न्यूनतम 6.8 डिग्री रहा, जबकि मंगलवार को दिन का तापमान 20.6 डिग्री तक पहुंचा, लेकिन रात की ठंड बरकरार रही। बुधवार को दोपहर में धूप निकलने के बावजूद शीतलहर के कारण तापमान 18 डिग्री से ऊपर नहीं जा सका और रात में 7.2 डिग्री दर्ज किया गया।

अगले कुछ दिन और मुश्किल

मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि अगले तीन से चार दिनों तक लगातार सर्द हवाओं का दौर जारी रहेगा। इस दौरान दिन का तापमान 18 से 20 डिग्री और रात का तापमान 6 से 7 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। ऐसे में लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ेगा।

स्कूलों में अवकाश, एहतियात जरूरी

भीषण ठंड को देखते हुए प्रशासन ने नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के स्कूलों में दो दिन का अवकाश घोषित किया है। ठंडी हवाओं के कारण दिन में भी लोगों को तेज सर्दी का अहसास हो रहा है, जिससे खासकर बच्चे और बुजुर्ग अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

बाबा मठारदेव के मेले अलग से रहेगा इमरजेंसी मार्ग, शिखर मंदिर रास्ते पर दो स्थानों पर तैनात रहेंगी स्वास्थ्य विभाग की टीमें, बैठक में एसडीएम ने दिए निर्देश

सारनी। नगर पालिका सारनी के सभाकक्ष में गुरूवार 8 जनवरी 2026 को बाबा मठारदेव मेला आयोजन एवं व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी (रा.) शाहपुर प्रपंच आर. (आई.ए.एस.) ने की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे, उपाध्यक्ष जगदीश पवार, तहसीलार संध्या रावत, एसडीओपी प्रियंका करचाम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी.के. मेश्राम, टीआई जयपाल इवनाती, नायब

तहसीलदार संतोष पथोरिया एव बीएमओ संजीव शर्मा के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, मेला एवं भंडारा समिति के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा, यातायात आवागमन, झूला व्यवस्था, वन्य जीवों से सुरक्षा व्यवस्था, दान पेटियों की व्यवस्था, भंडारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था, प्लाट आवंटन, समेत अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा हुई। अध्यक्ष किशोर बरदे ने कहा कि मेले में इस वर्ष इमरजेंसी / वीआईपी मार्ग को अलग कर दिया गया है। इसे भीड़ रहित रखा जाएगा ताकि एंबुलेंस, फायरब्रिगेड समेत अन्य इमरजेंसी वाहन आसानी से आवागमन कर सकें। उन्होंने बताया कि मेले में प्रतिवर्ष की तुलना में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। एसडीएम प्रपंच आर. ने मेला परिसर के अलावा बांसवेडा एवं शिखर मंदिर पर भी स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मय स्ट्रेचर, जीवनरक्षक दवाओं के साथ उपलब्ध रखने, शिखर मार्ग पर दुकानें लगाने, शिखर मंदिर पर भंडारों पर प्रतिबंध, लेटकर एवं घुटनों के बल शिखर चढ़ने पर पूर्ववत प्रतिबंध के निर्देश दिए हैं। बैठक के बाद एसडीएम ने मेला परिसर का निरीक्षण किया।

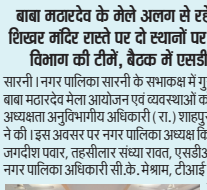

डिप्टी रेंजर पर रंजिशन मारपीट व झूठा अपराध दर्ज कराने का गंभीर आरोप

पुत्र के खिलाफ हुए अन्याय के लिए दर-दर भटक रहा पिता, सांसद से लेकर

अजय मिश्रा जन चिंगारी सीधी थाना मझौली अंतर्गत ग्राम मेड़रा निवासी रामायण प्रसाद पांडेय ने अपने पुत्र के साथ हुए कथित अन्याय को लेकर प्रशासनिक और पुलिस महकमे के उच्च अधिकारियों के समक्ष फरियाद कर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदक ने डिप्टी रेंजर राजेश शुक्ला पर रंजिशन मारपीट, अपहरण, अवैध बंदी बनाकर जबरन झूठे कागजातों पर हस्ताक्षर कराने तथा झूठा अपराध पंजीबद्ध कराने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़ित पिता द्वारा सांसद सीधी, कलेक्टर सीधी, पुलिस अधीक्षक सीधी एवं थाना मझौली में लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई है। कलेक्टर द्वारा मामले की जांच के लिए एसपी को आदेशित किया गया है, वहीं सांसद द्वारा डीएफओ को जांच के निर्देश दिए गए हैं।

घटना 12 दिसंबर 2025 की बताई जा रही: आवेदन में उल्लेख किया गया है कि रामायण प्रसाद पांडेय का पुत्र पवन पांडेय 12 दिसंबर 2025 को घरेलू कार्य से मोटरसाइकिल से खड़ौरा गया था। इसी दौरान रास्ते में डिप्टी रेंजर राजेश शुक्ला ने कथित तौर पर उसे रोककर बिना किसी कारण धमकाना शुरू कर दिया। आरोप है कि गले में पहना टोपा पकड़कर उसे घसीटा गया, मोबाइल छीनने का प्रयास किया गया और अश्लील गालियां दी गईं। जब पवन पांडेय ने वीडियो बनाने से इनकार किया तो डिप्टी रेंजर ने आरोप लगाया कि वीडियो बनाया गया है। इस पर युवक ने बताया कि वीडियो वन विभाग के चौकीदार रामपाल लोनी द्वारा बनाया गया है। इसके बाद डिप्टी रेंजर ने अपने स्टाफ को बुलाकर युवक को कथित तौर पर अपहरण कर वन परिक्षेत्र कार्यालय मझौली ले जाया।

रेंज कार्यालय में मारपीट और अवैध बंदी का आरोप: आवेदन में कहा गया है कि रेंज कार्यालय में युवक को एक कमरे में बंद कर उसके साथ मारपीट की गई और झूठी कार्यवाही के कागजातों पर जबरन हस्ताक्षर करवाए गए। जब इसकी जानकारी पिता को मिली तो वे रेंज कार्यालय पहुंचे, जहां उनका पुत्र बंद अवस्था में मिला।

पीड़ित पिता का आरोप है कि उन्होंने परिक्षेत्र अधिकारी से निवेदन किया, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। उल्टा डिप्टी रेंजर द्वारा उन्हें भी कार्रवाई की धमकी दी गई और कहा गया कि ÷यहां से चले जाओ, नहीं तो तुम्हारे ऊपर भी केस लगेगा।

रेत चोरी का झूठा प्रकरण गढ़ने का आरोप

रामायण प्रसाद पांडेय ने दावा किया है कि उनके वाहन को रेत चोरी में फंसाया गया, जबकि वह वाहन ताला समिति के माध्यम से किसानों की धान ढुलाई में लगा हुआ था। इसे उन्होंने पूरी तरह से कूट रचित एवं निराधार बताया है।

35 वर्षों की सेवा और राजनीतिक पृष्ठभूमि का हवाला

आवेदनकर्ता ने बताया कि वे पिछले 35 वर्षों से वन विभाग में तेंदूपत्ता फड़ मुंशी के रूप में कार्यरत हैं तथा 25 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता भी हैं। इसके बावजूद उनके पुत्र के साथ इस तरह का व्यवहार बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

निष्पक्ष जांच और वीडियो की जांच की मांग

पीड़ित पिता ने मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच, डिप्टी रेंजर के खिलाफ कार्यवाही तथा कथित वीडियो की जांच कर दोषियों पर सख्त कदम उठाने की मांग की है।

इनका कहना है

मैं 35 वर्षों से वन विभाग में ईमानदारी से सेवा कर रहा हूं। मेरे बेटे के साथ डिप्टी रेंजर द्वारा अन्याय किया गया है। न्याय पाने के लिए सांसद, कलेक्टर, एसपी और थाना तक भटक रहा हूं। निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही होनी चाहिए।

— रामायण प्रसाद पांडेय, आवेदक

रैपुरा वन परिक्षेत्र में अनुभूति नेचर कैंप्स का शुभारंभ

'पन्ना के असली हीरे' पहल से बच्चों को मिला सपनों को साकार करने का संदेश

जन चिंगारी समाचार पन्ना संवाददाता सुरेंद्र पाण्डेय

मध्यप्रदेश वन विभाग एवं मध्यप्रदेश ईको-पर्यटन विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में दक्षिण पन्ना वनमण्डल के अनुभूति नेचर कैंप्स का शुभारंभ गुरुवार को वन परिक्षेत्र रैपुरा अंतर्गत चमरैया वन क्षेत्र में हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता दक्षिण पन्ना वनमण्डल अधिकारी अनुपम शर्मा ने की इस अवसर पर उप वन संरक्षक अंकुर गुप्ता एवं रैपुरा रेंज अधिकारी विवेक कुमार जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही अनुभूति नेचर कैंप का उद्देश्य बच्चों को प्राकृतिक परिवेश में सीखने,समझने तथा वन और पर्यावरण से भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करना रहा कैंप में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रैपुरा,कन्या विद्यालय रैपुरा एवं शासकीय उच्च माध्यमिक शाला अधराढ़ के कुल 120 विद्यार्थियों ने

सहभागिता की नेचर ट्रेल (जंगल भ्रमण) के माध्यम से विद्यार्थियों को वन पारिस्थितिकी,जैव विविधता एवं वन्यजीव संरक्षण की जानकारी दी गई वनमण्डल अधिकारी ने बच्चों को पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने और प्रकृति संरक्षण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया

'पन्ना के असली हीरे' सफलता की जीवंत मिसाल

दक्षिण पन्ना वनमण्डल द्वारा अनुभूति कैंप्स के अंतर्गत इस वर्ष शुरू की गई ÷पन्ना के असली हीरे÷ पहल बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस पहल के तहत जिले के उन होनहार युवाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है,जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं पहले अतिथि के रूप में MPPSC 2023 में छ्स्क पद पर चयनित प्रियांशु पांडे ने विद्यार्थियों से संवाद किया उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में वे स्वयं अनुभूति नेचर कैंप के सहभागी रहे हैं तथा इस अनुभव ने उनके चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रेरक वक्तव्य ने बच्चों में आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण की भावना जगाई प्लास्टिक-फ्री कैंप, पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश कैंप का आयोजन पूरी तरह प्लास्टिक-फ्री रहा भोजन शुगरकेन रेसिड्यू से बनी थालियों में परोसा गया तथा पेपर कप का उपयोग किया गया विद्यार्थियों को बांस के टूथब्रश,नीम की कंघी, स्ट्रिंग बैग एवं वनोपज आधारित उत्पादों की किट वितरित की गई मास्टर ट्रेनर सतीश द्विवेदी एवं रजनीश चौरसिया द्वारा वृक्षों की पहचान, वन्यजीव,औषधीय पौधे,पक्षी दर्शन,पदचिन्ह पहचान एवं प्रकृति आधारित खेलों के माध्यम से बच्चों को प्रशिक्षित किया गया डिप्टी रेंजर रंजना नागर द्वारा प्रस्तुत बुंदेली लोकगीत ने कार्यक्रम में विशेष उत्साह भर दिया अंत में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य ध्रुव सिंह, वन अमला, शिक्षकगण एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे और अनुभूति नेचर कैंप को बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल बताया

छिंदवाड़ा के पर्यटन ग्रामों में पहुंचीं मुंबई की टीम

दैनिक जनचिंगारी अजीत पांडे

छिन्दवाड़ा/मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से छिंदवाड़ा के पर्यटन ग्रामों में ग्रामीण पर्यटन के प्रमोशन के लिए शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग होना है, इसके लिए मुबंई से एक टीम दो दिवसीय छिंदवाड़ा दौरे पर पहुंचीं। टीम ने पांच पर्यटन ग्रामों में शूटिंग के लिए लोकेशन देखी।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर हरेंद्र नारायन व जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार के लगातार प्रयासों से छिंदवाड़ा में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिला है। इसी कड़ी में मुंबई की टीम ख्याति प्राप्त पर्यटन ग्राम सावरवानी, धूसावानी, चिमटीपुर, काजरा व देवगढ़ पहुंची और पूरे अंचल में घूमकर टीम ने लोकेशन के लिए विजिट की। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के परियोजना अधिकारी (होम स्टे) आर.डी.सिद्दकी के साथ प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक डिंपल दुगर, जेवीडी फिल्म्स और वीएफएक्स एनीमेशन स्टूडियो के संस्थापक, प्रशंसित छायाकार विष्णु पैंकर और कोर क्रिएटिव टीम के साथ सभी ग्रामों का दौरा किया। ग्रामीण पर्यटन पर बनने वाली फिल्म के लिए लोकेशन देखने के साथ टीम ने ग्रामीणों से चर्चा भी की। यह पहल राज्य के समृद्ध ग्रामीण ताने-बाने को प्रदर्शित करने और ग्रामीण घर में रहने और अनुभवात्मक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन की दृष्टि का हिस्सा है।

प्रमुख संक्षिप्त

धान उपार्जन योजना का लाभ लेने हेतु कृषकों से 13 जनवरी तक स्लॉट बुकिंग की अपील

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिये पंजीकृत किसानों से स्लॉट बुकिंग के आधार पर समर्थन मूल्य 2369 रूपये प्रति क्विंटल के मान से जिले में निर्धारित उपार्जन केन्द्रों पर पंजीकृत 3353 किसानों में से 1314 किसानों से 8567 मैट्रिक टन धान उपार्जन किया गया है। उपार्जन कार्य के लिये 479 किसानों द्वारा स्लॉट बुकिंग की गयी है। चूंकि स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 13 जनवरी 2026 है तथा इन किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य 20 जनवरी 2026 तक ही किया जायेगा। जिला आपूर्ति अधिकारी छिंदवाड़ा ने सभी कृषकों से अपील की है कि शासन की समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन योजना का लाभ उठायें तथा 13 जनवरी 2026 तक अपना स्लॉट बुकिंग कराई जाकर अपनी धान 20 जनवरी 2026 तक पंजीयन केन्द्रों पर विक्रय कर सकते हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह में सांची पेड़ा का होगा वितरण

पन्ना। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को आयोजित होने वाले समारोहों को और अधिक गरिमामय एवं यादगार बनाने के उद्देश्य से सागर संभाग के कमिश्नर अनिल सुचारी ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं निर्देशों के अनुसार जिले के अंतर्गत संचालित समस्त शासकीय विद्यालयों एवं कार्यालयों में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान सांची पेड़ा का वितरण किया जाएगा यह पेड़ा मध्यप्रदेश शासन के सहकारी उपक्रम बुन्देलखण्ड सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित,सागर द्वारा निर्मित होगा इस पहल से जहां एक ओर समारोहों में पारंपरिक मिठास जुड़ेगी, वहीं दूसरी ओर स्थानीय सहकारी उत्पादों को बढ़ावा भी मिलेगा इस संबंध में संभाग के सभी कलेक्टरों, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला शिक्षा अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित शासकीय, अर्द्धशासकीय,निजी, शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक संस्थाओं को निर्देशों से अवगत करा दिया गया है सभी संबंधित अधिकारियों को आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं? गणतंत्र दिवस को उत्साह, उल्लास और आत्मनिर्भरता के संदेश के साथ मनाने की दिशा में यह निर्णय एक सराहनीय पहल माना जा रहा है।

कलेक्टर संजय कुमार जैन ने धान खरीदी केन्द्र पन्नी का किया निरीक्षण

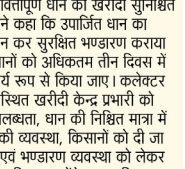

मऊगंज। कलेक्टर मऊगंज श्री संजय कुमार जैन ने धान उपार्जन केन्द्र पन्नी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि निर्धारित मापदण्डों का पालन करते हुए किसानों से गुणवत्तापूर्ण धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जित धान का तत्काल परिवहन कर सुरक्षित भण्डारण कराया जाए तथा किसानों को अधिकतम तीन दिवस में भुगतान अनिवार्य रूप से किया जाए। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित खरीदी केन्द्र प्रभारी को बारदाने की उपलब्धता, धान की निश्चित मात्रा में तौल, हम्मालों की व्यवस्था, किसानों को दी जा रही सुविधाओं एवं भण्डारण व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पंजीकृत किसानों से 20 जनवरी तक धान का उपार्जन किया जाएगा। साथ ही किसानों से अपील की कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते स्लॉट बुक कराकर धान विक्रय करें। स्लॉट बुकिंग की सुविधा 13 जनवरी तक उपलब्ध रहेगी। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

ठंड से राहत के लिए नगर निगम की पहल जरूरतमंदों को रैन बसेरों में पहुंचाया

दैनिक जनचिंगारी अजीत पांडे

छिंदवाड़ा ~ कलेक्टर हरेंद्र नारायण एवं नगर निगम आयुक्त सी.पी. राय के निर्देशानुसार नगर निगम की टीम द्वारा रात्रि के समय शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क किनारे सो रहे जरूरतमंद लोगों को रैन बसेरों में सुरक्षित रूप से शिफ्ट किया गया। तापमान में लगातार गिरावट के चलते रात के समय ठंड से परेशान राहगीरों, श्रमिकों एवं बेसहारा नागरिकों को तत्काल राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया।

नगर निगम की टीम ने पोला ग्राउंड, मानसरोवर बस स्टैंड, राजीव गांधी बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन परिसर एवं रेलवे ब्रिज के नीचे सो रहे लोगों को रैन बसेरों में पहुंचाया, ताकि वे शीत लहर के प्रकोप से सुरक्षित रह सकें।

नगर निगम द्वारा कलेक्ट्रेट के पास तथा

नरसिंहपुर नाका स्थित रैन बसेरों में महिलाओं एवं पुरुषों के ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई है। यहां रुकने वाले लोगों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। रैन बसेरों में रूम हीटर, कंबल, धुली हुई चादर, रजाई एवं एलईडी टीवी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा शहर के बस स्टैंड एवं जिला अस्पताल परिसर में अलाव की भी व्यवस्था की गई है, जिससे ठंड से राहत मिल सके। इस अभियान में इंजीनियर ब्रजेश पांडेय, सिटी मैनेजर उमेश पयासी सहित नगर निगम के अन्य कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल रहे।

उच्चतर शैक्षणिक संस्थाओं में 9 एवं 10 जनवरी को लगेंगे विशेष कैम्प

दैनिक जनचिंगारी अजीत पांडे

छिन्दवाड़ा~ निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत जिले के विकासखंड चौरई के उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाने के लिये 9 एवं 10 जनवरी को विशेष कैम्प आयोजित किए जाएंगे। एक जनवरी 2026 की स्थिति में 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों, जिनका नाम अभी तक निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं है, उनके लिए निर्धारित फॉर्म-6 ऑनलाइन एवं ऑफलाइन भराया जाएगा। नोडल अधिकारियों की बैठक में दिए गए निर्देश- तहसील सभाकक्ष में संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं के नोडल अधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पुष्पेंद्र पांडेय तथा मास्टर ट्रेनर मदन सिंह ठाकुर ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कक्षा प्रभारियों से 18 वर्ष पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों की सूची तैयार कराई जाए, सूची के आधार पर बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-6 उपलब्ध कराए जाएं, फॉर्म-6 को ECI Net App एवं voters.eci.gov.in Âोर्टल पर ऑनलाइन भरा जाए तथा भरे गए फॉर्म बीएलओ सुपरवाइजर के माध्यम से रजिस्ट्रेशन अधिकारी को प्रेषित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारियों की विशेष जिम्मेदारी है कि 9 एवं 10 जनवरी को आयोजित विशेष कैम्प में सभी पात्र विद्यार्थियों के आवेदन सुनिश्चित रूप से भरे जाएं। बैठक में शासकीय महाविद्यालय चौरई, कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय चौरई तथा विभिन्न हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्य एवं समस्त सुपरवाइजर उपस्थित थे।

खजुराहो एमपी में सबसे ठंडा

छतरपुर। चंदेल कालीन पाषाण मंदिरों की बेजोड़ शिल्प कला के लिए दुनियाभर में मशहूर मध्य प्रदेश का पर्यटन स्थल खजुराहो प्रदेश में सबसे ठंडा रहा ।गुरुवार को खजुराहो का न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया । गुरुवार सुबह से ही आसमान में घना कोहरा छाया रहा । कड़ाके की सर्दी ने खजुराहो का अद्वितीय शिल्प सौंदर्य देखने आए देशी विदेशी सैलानियों को होटलों के कमरों में दुबकने को मजबूर कर दिया । मौसम विभाग का अनुमान है कि बादल छँटने के बाद आने वाले दिनों में सर्दी और बढ़ने की संभावना है । आने वाले दिनों में भी कोहरा बरकरार रहेगा ।15 जनवरी तक कड़ाके की सर्दी बढ़ने और दिल का अनुमान है ।

चौरागढ़ मंदिर के महंत एवं मुख्य पुजारी श्री श्री 1008 गरीबदास जी महाराज हुए पंचतत्व में विलीन

महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 बालकदास जी महाराज ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि की अर्पित

दैनिक जनचिंगारी अजीत पांडे

छिंदवाड़ा ~ चौरागढ़ महादेव मंदिर के महंत एवं मुख्य पुजारी श्री श्री 1008 गरीबदास जी महाराज आज पंचतत्व में विलीन हुए. इस दौरान राजनेताओं, समाजसेवी, संत महात्मा, धर्म प्रेमी एवं भक्तगण अंतिम दर्शन करने के लिए चौरागढ़ पहुंचे. और अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की. श्री पंचदशनाम महाकाल अखाड़ा के महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 बालकदास जी महाराज भी अंतिम दर्शन करने के लिए चौरागढ़ मंदिर पहुँचे.और श्री श्री 1008 गरीबदास जी महाराज का अंतिम दर्शन कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर मंदिर के उत्तराधिकारी महंत श्री नारायणदास जी महाराज और मंदिर के सेवादारों एवं संत महात्माओं को ढांढस बंधाया.श्री गरीबदास जी महाराज ने अपना संपूर्ण जीवन शिव भक्ति के साथ धर्म की पताका लहराने एवं मंदिर के विकास एवं विस्तार के साथ जनकल्याण में समर्पित किया. आपको बता दें स्वामी जी के भक्त महाराष्ट, मध्यप्रदेश राजस्थान छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में है. सभी जगह से धर्म प्रेमी भक्तगण आज उनका अंतिम दर्शन करने के लिए भारी संख्या में चौरागढ़ पहुंचे हुए थे. और सभी ने उनका अंतिम दर्शन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किये. पंचतत्व में विलीन हुए श्री श्री 1008 गरीबदास जी महाराज का आशीर्वाद सदैव सभी भक्तों पर हमेशा बना रहे.ऐसी प्रार्थना चौरागढ़ महादेव बाबा से भक्तों ने की.

गजेंद्र सिंह परिहार पर संगठन ने फिर जताया भरोसा, तीसरी बार संभालेंगे शहडोल जिला अध्यक्ष की कमान

शहडोल।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया और प्रदेश संगठन प्रभारी मोहम्मद अली के मार्गदर्शन में संगठन की मजबूती के लिए बड़ा निर्णय लिया गया है। पत्रकार गजेंद्र सिंह परिहार को तीसरी बार शहडोल जिला इकाई का अध्यक्ष नियुक्त करते हुए संगठन ने उनकी कार्यकुशलता पर पुनः भरोसा जताया है।

जारी नियुक्ति पत्र का विवरण

प्रांतीय महासचिव सत्यनारायण वैष्णव द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि ''प्रदेश उपाध्यक्ष साथी मनोज द्विवेदी एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य साथी दिनेश अग्रवाल एवं संभागीय अध्यक्ष साथी अजीत मिश्रा के सुझाव और संगठन प्रभारी साथी मोहम्मद अली की सलाह पर शहडोल जिला इकाई के

अध्यक्ष पद पर पत्रकार गजेंद्र सिंह परिहार को ही पदस्थ रहने तथा उनके ही सुझाव पर महासचिव साथी अनुराग त्रिपाठी को ही जिले का महासचिव पद पर यथावत पदस्थ करने के निर्देश दिए गए हैं।''

निर्भीक पत्रकारिता की पहचान हैं गजेंद्र सिंह परिहार

उल्लेखनीय है कि पत्रकार गजेंद्र सिंह परिहार की गिनती शहडोल जिले के उन चुनिंदा पत्रकारों में होती है, जो अपनी निर्भीक पत्रकारिता के लिए जाने जाते हैं। लगातार तीसरी बार जिलाध्यक्ष बनना उनकी लोकप्रियता और संगठन के प्रति समर्पण का प्रमाण है। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाने और बड़े मामलों के खुलासे करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे पत्रकारों के हितों और संगठन की मजबूती के लिए सदैव सक्रिय रहते हैं।

अनुराग त्रिपाठी पर पुनः जताया भरोसा

संगठन और पत्रकार गजेंद्र सिंह परिहार ने अनुराग त्रिपाठी पर पुनः जिला महासचिव के रूप में बड़ा भरोसा जताया है। गौरतलब है कि पिछले कार्यकाल में अनुराग त्रिपाठी ने बतौर महासचिव पत्रकारों को एकत्र करने और संगठन में बेहतर समन्वय स्थापित करने का कुशल कार्य किया था, जिसे देखते हुए उन्हें पुनः यह जिम्मेदारी दी गई है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को 10 जनवरी 2026 तक कार्यकारिणी गठन के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामीण किसानों को बड़ी सौगातः अब 5 हॉर्स पावर तक कृषि पंप कनेक्शन मात्र 5 रुपए में

जन चिंगारी समाचार पन्ना संवाददाता सुरेंद्र पाण्डेय

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को राहत देते हुए सिंचाई के लिए बड़ी सौगात दी है। कंपनी ने 5 हॉर्स पावर तक के ऑनलाइन स्थाई कृषि विद्युत पंप कनेक्शन के लिए आवेदन शुल्क मात्र 5 रुपए निर्धारित किया है यह सुविधा उन मामलों में लागू होगी,जहां विद्युत लाइन विस्तार की आवश्यकता नहीं होगी कंपनी द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार अब तक प्रचलित व्यवस्था में किसानों से ऑनलाइन आवेदन के लिए 2500 रुपए पंजीयन शुल्क एवं सुरक्षा निधि के रूप में लिए जाते थे नई व्यवस्था के तहत उपभोक्ता द्वारा स्थापित सर्विस लाइन की सुरक्षा नियमों के अनुसार जांच के पश्चात केवल 5 रुपए में आवेदन स्वीकार किया जाएगा शेष सुरक्षा निधि की राशि को प्रथम विद्युत बिल में समायोजित किया जाएगा कंपनी का कहना है कि इस निर्णय का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए विद्युत सुविधा को सरल,सुलभ और किफायती बनाना है प्रबंधन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ऑनलाइन स्थाई कृषि पंप संयोजन जारी करने की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि किसान समय पर लाभ उठा सकें यह निर्णय ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि उत्पादन को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, जिससे किसानों की लागत घटेगी और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा

खास

कार्यों में गति लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

कलेक्टर नारायन ने की जल जीवन मिशन के कार्यों की सघन समीक्षा

दैनिक जनचिंगारी अजीत पांडे

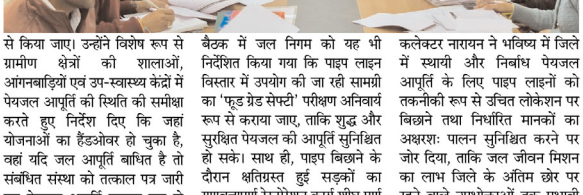

छिन्दवाड़ा/ जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित पेयजल योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जल निगम की समीक्षा बैठक ली। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम के अधिकारियों को जल जीवन मिशन के कार्यों में गति लाने तथा प्रारंभ हो चुके कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कड़े निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर नारायन ने माह दिसंबर में उपयंत्रियों द्वारा किए गए क्षेत्र भ्रमण की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि भ्रमण के दौरान प्राप्त जन-शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप

से किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की शालाओं, आंगनबाड़ियों एवं उप-स्वास्थ्य केंद्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जहां योजनाओं का हैंडओवर हो चुका है, वहां यदि जल आपूर्ति बाधित है तो संबंधित संस्था को तत्काल पत्र जारी कर पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से प्रारंभ करना सुनिश्चित कराएं। बैठक में जल निगम को यह भी निर्देशित किया गया कि पाइप लाइन विस्तार में उपयोग की जा रही सामग्री का 'फूड ग्रेड सेफ्टी' परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाए, ताकि शुद्ध और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पाइप बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का गुणवत्तापूर्ण रेस्टोरेशन कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर नारायन ने भविष्य में जिले में स्थायी और निर्बाध पेयजल आपूर्ति के लिए पाइप लाइनों को तकनीकी रूप से उचित लोकेशन पर बिछाने तथा निर्धारित मानकों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि जल जीवन मिशन का लाभ जिले के अंतिम छोर पर रहने वाले उपभोक्ताओं तक प्रभावी रूप से पहुँच सके।

ग्रामीण स्वच्छता की ओर ऐतिहासिक कदम

पन्ना विधायक ने वॉश ऑन व्हील्स सेवा का किया शुभारंभ, स्वच्छता साथियों को मिली सशक्त किट

जन चिंगारी समाचार पन्ना संवाददाता सुरेंद्र पाण्डेय

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में पन्ना जिले में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ हुआ पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने जनपद पंचायत पन्ना कार्यालय परिसर में वॉश ऑन व्हील्स (ङ्खह्रङ्ख) सेवा का विधिवत उद्घाटन कर ग्रामीण स्वच्छता को नई गति प्रदान की इस अवसर पर प्रत्येक स्वच्छता साथी को 15-15 हजार रुपये मूल्य की आधुनिक स्वच्छता किट वितरित की गई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं,बल्कि स्वस्थ समाज की आधारशिला है बेहतर सेवाओं से ग्रामीणजनों का भरोसा मजबूत होगा और स्वच्छता से जुड़े कर्मियों को सम्मान के साथ रोजगार भी मिलेगा उन्होंने सरपंचों, सचिवों और ग्राम रोजगार सहायकों से आगे आकर इस पहल को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया विधायक ने कहा कि हर घर का प्रत्येक सदस्य स्वच्छता साथी बने,तभी स्वच्छ ग्राम की संकल्पना साकार होगी उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वच्छता कर्मियों एवं ग्राम पंचायतों को स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित करने के निर्देश देते हुए प्रत्येक विकासखंड की स्वच्छता में अग्रणी ग्राम पंचायतों को चिन्हांकित करने की बात कही विधायक ने कहा कि शहरों की तरह अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी आधुनिक स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध होना एक सराहनीय उपलब्धि है कार्यक्रम में विधायक ने स्वच्छता साथियों का शॉल-श्रीफल एवं पुष्पमालाओं से सम्मान किया तथा समाज में सफाईकर्मियों की भूमिका को रेखांकित किया उन्होंने स्वच्छता साथियों के लिए निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता पर भी बल दिया इस दौरान 16 दिव्यांगजनों को मोटर ट्राइसाइकिल का वितरण कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सहयोग दिया गया कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष संतोष सिंह यादव, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अतिरिक्त सीईओ अशोक चतुर्वेदी,जनपद पंचायत सीईओ जयशंकर तिवारी एवं परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे इस अवसर पर ङ्खह्रङ्ख मोबाइल एप्लीकेशन की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई एप के माध्यम से स्कूल, आंगनबाड़ी,विभागीय तथा सार्वजनिक शौचालयों की सफाई के लिए ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध होगी प्रशिक्षण प्राप्त सफाई मित्र निर्धारित शुल्क पर सेवाएं देंगे यह एप प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है गौरतलब है कि पन्ना जिले की सभी पांच जनपद पंचायतों

शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय में कैंटीन खुलने की उठी मांग

राकेश गौतम जन चिंगारी मऊगंज

छात्रों को मिलेगी सुविधा, सड़क किनारे जाने की मजबूरी से मिलेगी निजा
मऊगंज स्थित शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय में अध्ययनर

लगभग 5 से 6 हजा छात्र-छात्राओं के लि कॉलेज परिसर के भीतर कैंटीन खोले जाने की मांग साम आई है। बड़ी संख्या मे विद्यार्थी दूर-दराज औ ग्रामीण क्षेत्रों से रोजाना कॉलेज आते हैं। वर्तमान में कैंटीन की व्यवस्था न होने के कारण विद्यार्थियों को चाय-नाश्ता एवं अन्य जरूरतों के लिए सड़क किनारे दुकानों पर जाना पड़ता है, जिससे समय की बर्बादी के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी जोखिम भी बने रहते हैं। विशेषकर छात्राओं के लिए यह स्थिति असुविधाजनक मानी जा रही है। विद्यार्थियों का कहना है कि यदि कॉलेज परिसर के भीतर ही कैंटीन की सुविधा उपलब्ध हो जाए तो पढ़ा के बीच बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, समय की बचत होगी औ स्वच्छ वातावरण में सुविधा मिल सकेगी। यदि प्रशासन इस दिशा में पहल करता है, तो विद्यार्थियों को सड़क किनारे जाने की मजबूरी से निजात मिलेगी। छात्रों और अभिभावकों ने उम्मीद जताई है कि महाविद्याल प्रबंधन एवं संबंधित प्रशासन जल्द ही इस मांग पर सकारात्मक निर्ण लेकर कैंटीन की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा, जिससे हजारों विद्यार्थियों क सीधा लाभ मिल सकेगा।

प्रमुख संक्षिप्त

कलेक्टर की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस की तैयारी बैठक सम्पन्न

पन्ना। जिले में आगामी 26 जनवरी को 77 वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा इसकी तैयारियों को लेकर आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गणतंत्र दिवस की तैयारी बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर ऊषा परमार ने की बैठक में गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह सहित जिलेभर में होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दायित्व सौंपे गए बैठक में बताया गया कि शासकीय कार्यालयों में ध्वज संहिता का पालन करते हुए सुबह 8 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा वहीं जिला मुख्यालय के स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा सुबह 9 बजे ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली जाएगी आयोजन स्थल पर सुरक्षा,मंच व्यवस्था,अतिथियों की बैठक,कार्यक्रम संचालन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए मुख्य समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया जाएगा।

सामूहिक दवा सेवन को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

पन्ना। पन्ना जिले में फायलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम के संबंध में गुरुवार को जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया यह कार्यशाला आईपीडीपी हॉल में संपन्न हुई,जिसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की कार्यशाला में डब्ल्यूएचओ के स्टेट को-ऑर्डिनेटर डॉ. देवेन्द्र तोमर द्वारा एमडीए गतिविधियों के प्रभावी संचालन हेतु पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की गई बताया गया कि एमडीए अभियान के अंतर्गत जिले में 10 से 25 फरवरी तक दो वर्ष से अधिक आयु की समस्त लक्षित जनसंख्या को डीईसी,एल्बेन्डाजोल एवं आइवरमेक्टिन दवाओं का सेवन कराया जाएगा इस अवसर पर प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.के. गुप्ता ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार कार्य करें, अपने-अपने क्षेत्रों में एमडीए का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें तथा अभियान अवधि में शत-प्रतिशत लक्षित जनसमुदाय को दवा सेवन कराएं उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी जिला मलेरिया अधिकारी अरुणेन्द्र प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि डीईसी एवं एल्बेन्डाजोल दवाओं का सेवन उम्र के अनुसार, जबकि आइवरमेक्टिन दवा का सेवन व्यक्ति की लंबाई के अनुसार कराया जाएगा ।

कलेक्टर श्री संजय कुमार जैन ने सिविल अस्पताल मऊगंज का किया निरीक्षण

राकेश गौतम, जन चिंगारी मऊगंज

मऊगंज। कलेक्टर श्री संजय कुमार जैन ने सिविल अस्पताल मऊगंज का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं निर्माणाधीन 200 बिस्तर वाले अस्पताल भवन के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल भवन का कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को शीघ्र आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नियमित सफाई एवं प्रभावी कचरा प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए, जिससे संक्रमण की कोई आशंका न रहे। उन्होंने ओपीडी, आपातकालीन कक्ष, महिला एवं पुरुष वार्ड, प्रसूति कक्ष, दवा वितरण काउंटर, लैब सहित अन्य विभागों का निरीक्षण किया तथा मरीजों और उनके परिजनों से संवाद कर उपचार की गुणवत्ता, दवाओं की उपलब्धता एवं स्टाफ की उपस्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि मरीजों के उपचार में संवेदनशीलता बरतें और समय पर समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि दवाओं, जांच सुविधाओं एवं आवश्यक उपकरणों का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पूरी पारदर्शिता और तत्परता से पहुंचाया जाए। गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं एवं गंभीर रोगियों की विशेष देखभाल पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर पवन गोरैया, बीएमओ डॉ. प्रद्युम्न शुक्ला, अन्य चिकित्सक तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री जैन ने निहाई वाटर फिल्टर प्लांट का किया औचक निरीक्षण

राकेश गौतम, जन चिंगारी मऊगंज

मऊगंज कलेक्टर श्री संजय कुमार जैन ने जिले के दुवगवां स्थित निहाई वाटर फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लांट की मशीनों की कार्यप्रणाली, साफ-सफाई तथा पानी शुद्धिकरण प्रक्रिया की जानकारी अधिकारियों से ली।

अधिकारियों ने बताया कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से प्रतिदिन 8.3 मिलियन लीटर पानी का शुद्धिकरण कर दो टंकियों के माध्यम से 4387 घरों में आपूर्ति की जा रही है। कलेक्टर ने नगर परिषद मऊगंज के विभिन्न वार्डों में नलजल योजना के अंतर्गत पानी की नियमित और सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार को निर्धारित मात्रा में शुद्ध पेयजल मिले, इसके लिए फिल्टर प्लांट व पाइपलाइनों की नियमित सफाई कराई जाए तथा नलों से आपूर्ति हो रहे पानी के सैंपल लेकर गुणवत्ता की जांच कराई जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के समय सीएमओ महेश पटेल उपयंत्री अविनाश सिंह सहित अन्य कर्मचार उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध चलाये साप्ताहिक अभियान में 409 पाव देशी एवम विदेशी मदिरा सहित 60 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवम 2070 कि. ग्रा. लहान सहित 01 वाहन जप्त, 07 आरोपी गिरफ्तार

नितेश मेहरा जन चिंगारी

जिला कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा एवं सहायक आबकारी आयुक्त दीपक अवस्थी के निर्देशानुसार सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शहनाज कुरेशी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा विक्रय एवं विनिर्माण के विरुद्ध चलाये गए विशेष साप्ताहिक अभियान के तहत आबकारी उप निरीक्षक वृत्त बरेली, सुनील कुमार मीणा द्वारा हमराह स्टाफ के साथ प्राप्त मुखबिर सूचनाओं एवम शिकायतों के आधार पर ग्राम चिकली, केतिघान, बाड़ी, भोंडिया, खैरवाड़ा, दिघावन, कटक, बारना कालोनी बाड़ी, पथरई एवम खपरिया कला में दविस देकर की गई कार्यवाहियों में मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(2) के तहत 01 तथा धारा 34(1)(क), (च) के तहत 10 प्रकरण (कुल 11) पंजीबद्ध किये गए जिसमे एक बिना नम्बर की मोटरसाइकिल ङ्कक्क्र राईडर सहित कुल 390 पाव देशी मदिरा , 19 पाव गोआ व्हिस्की विदेशी मदिरा, 60 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त की एवम 2070 किलोग्राम लाहन मौके पर सेम्पल लेकर नष्ट किया। उक्तानुसार कार्यवाही में 07 आरोपी हर्षित राजपूत निवासी चिकली, संगीता विश्कर्मा निवास बाड़ी, महेश धाकड़ निवासी भोंडिया कैलाश सिंह निवासी साईखेड़ा , मंटू लाल निवासी दीघावन एवं अभिषेख चौहा निवासी खपरिया कला को मौके प गिरफ्तार किया गया तथा 03 प्रकरणों म आरोपियों की गिरफ्तारी शेष है उक्तानुसार कृत कार्यवाही में जप्त मदिरा एव वाहन का बाजार मूल्य 357155/- आंकलित किया गया। उपरोक्त कार्यवाही म आरक्षक रामस्वरूप पटेल , सैनिक राकेश शर्मा, हल्के परते का योगदान रहा।

गोहरगंज से आज किसान जन आंदोलन यात्रा

सुनील नायक जन चिंगारी

गोहरगंज से आज किसान जन आंदोलन यात्रा ग्राम अंबाई गई आज रात्रि विश्राम गोहरगंज में किसान कांग्रेस की यात्रा सुबह 11?00 बजे गोहरगंज से अमवाई के लिए रवाना हुई यह यात्रा प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी जीतू पटवारी एवं किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान के निर्देश अनुसार भोजपुर मंदिर से 5-1-2026 को प्रारंभ हुई थी जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस के ठाकुर रणजीत सिंह की यात्रा दो चरणों में पूर्ण होगी प्रथम चरण भोजपुर विधानसभा सांची विधानसभा में रहेगा यात्रा का उद्देश्य गेहूं का समर्थन मूल्य?4000 कुंटल मोटी धान का समर्थन?4000 प्रति कुंटल यूरिया डीएपी की समस्या बिजली की समस्या बिजली के झूठे प्रकरण बनाना बेतवा नदी में फैक्ट्री का प्रदूषित पानी रोकने के लिए किसानों की समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस कार्यकर्ता साथ में युद्धवीर सिंह पटेल प्रदेश अध्यक्ष नगरी निकाय ए प्रकोष्ठ रामकुमार जी जनपद सदस्य राजवाड़ा आलोक दरबार नारायण सिंह कृष्ण कुमार मनोज सिंह जसवंत सिंह की अध्यक्ष विधानसभा कांग्रेस भोजपुरी के साथ गोहरगंज के मनोज धाकड़ जितेंद्र पटेल शुभम गोर कुंदन गोर महेश अहिरवार सरपंच वंश गोपाल दुबे इत्यादि अनेक किसान इस यात्रा में ग्राम अंबाई पहुंचे जाकर अनेक किसानों से गेहूं का रेट धान के रेट?4000 मांगने के लिए एवं 10 घंटे बिजली पूरी देने के संबंध में एवं किसानों पर जो झूठ प्रकरण बनाए जाते हैं उन्हें वापस लेने के लिए सभी किसानों की समस्याएं सुन आई और सभी किसानों ने अपनी यह बातें इस मीटिंग में रखी ग्राम मुंबई के धर्मचंद निलेश एवं अनेक किसान किसान आंदोलन में उपस्थित हुए इसके उपरांत की जन आंदोलन यात्रा चोपड़ा मुरारी आशापुरी के लिए रवाना हुई

आदतन अपराधियों को प्रति सप्ताह कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थिति दर्ज कराने के आदेश

नितेश मेहरा जन चिंगारी

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत विभिन्न अपराधों में आरोपी आयुष ठाकुर पिता हरीसिंह ठाकुर निवासी वार्ड नम्बर-12 हैलीपेड मैदान के पास बाड़ी थाना बाड़ी जिला रायसेन को तत्काल प्रभाव से आगामी तीन माह की अवधि तक प्रत्येक माह के दिन मंगलवार को तहसीलदार (कार्यपालिक मजिस्ट्रेट) तहसील बाड़ी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के आदेश दिए गए हैं। इस आदेश का उल्लंघन होने पर संबंधित थाना प्रभारी अनावेदक के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सम्पादित करेंगे। उल्लेखनीय है कि आरोपी आयुष ठाकुर पिता हरीसिंह ठाकुर वर्ष 2023 से लगातार आपराधिक कृत्य में लिप्त है। आरोपी के विरूद्ध विभिन्न अपराधों में आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

इसी प्रकार विभिन्न अपराधों में आरोपी प्रवीण उर्फ सोनू राय पिता सुरेश राय निवासी वा क्रमांक 12 माँ कर्मा मंदिर के पास बाड़ी थान बाड़ी जिला रायसेन को तत्काल प्रभाव स आगामी तीन माह की अवधि तक प्रत्येक माह के दिन मंगलवार को तहसीलदार (कार्यपालिक मजिस्ट्रेट) तहसील बाड़ी में अपनी उपस्थिति द कराने के आदेश दिए गए हैं। इस आदेश का उल्लंघ होने पर संबंधित थाना प्रभारी अनावेदक के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सम्पादित करेंगे। कलेक्ट एवं जिला मजिस्ट्रेट अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वा विभिन्न अपराधों में आरोपी नेपालसिंह उर्फ मु पिता भगवतसिंह ठाकुर निवासी ग्राम डूमर हाल ग्राम भारकच्छ थाना भारकच्छ जिला रायसेन क तत्काल प्रभाव से आगामी तीन माह की अवधि तक प्रत्येक माह के सोमवार को तहसीलदा (कार्यपालिक मजिस्ट्रेट) तहसील बाड़ी में अपन उपस्थिति दर्ज कराने के आदेश दिए गए हैं। इस आदेश का उल्लंघन होने पर संबंधित थाना प्रभार अनावेदक के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाह सम्पादित करेंगे।

हायर सेकेण्डरी एवं हाईस्कूल परीक्षा : जिले में बनाए गए 48 परीक्षा केन्द्र

जन चिंगारी समाचार पन्ना संवाददाता सुरेंद्र पाण्डेय

माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 की हायर सेकेण्डरी (कक्षा 12वीं) एवं हाईस्कूल (कक्षा 10वीं) बोर्ड परीक्षाएं क्रमशः 7 फरवरी एवं 11 फरवरी से आयोजित की जाएंगी परीक्षाओं के सुव्यवस्थित,पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए पन्ना जिले में कुल 48 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए हैं जिला मुख्यालय पन्ना में बोर्ड परीक्षाओं हेतु शासकीय मनहर कन्या उ.मा. विद्यालय, शासकीय आर.पी. उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय क्रमांक-01, शासकीय आर.पी. उ.मा. विद्यालय क्रमांक-02, शासकीय मॉडल उ.मा. विद्यालय तथा नेशनल पब्लिक उ.मा.विद्यालय को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है इसी क्रम में तहसील एवं ग्रामीण अंचलों में शासकीय उ.मा.विद्यालय बराछ, बृजपुर,पहाड़ीखेरा, शासकीय बालक एवं कन्या उ.मा. विद्यालय देवेन्द्रनगर, शासकीय उ.मा.विद्यालय ककरहटी,सरस्वती उ.मा. विद्यालय देवेन्द्रनगर, शासकीय उ.मा. विद्यालय सलेहा,पं शिवगोविन्द गर्ग उ.मा. विद्यालय सलेहा, शासकीय उ.मा.विद्यालय पटनातमोली,सरस्वती शिशु मंदिर उ.मा. विद्यालय गुनौर, शासकीय उ.मा.विद्यालय गुनौर,शासकीय बालक एवं कन्या उ.मा.विद्यालय अमानगंज तथा सरस्वती उ.मा. विद्यालय अमानगंज को भी परीक्षा केन्द्र घोषित किया गया है इसके अतिरिक्त शासकीय उ.मा. विद्यालय महेवा,द्वारी, आदर्श बुंदेलखण्ड हाईस्कूल पवई,शासकीय उ.मा. विद्यालय सुनवानी कला, शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय पवई,शासकीय उ.मा. विद्यालय कल्दा, कृष्णगढ़,सिमरिया, मोहन्द्रा,कुंवरपुर,शासकीय कन्या हाईस्कूल शाहनगर, शासकीय उ.मा.विद्यालय शाहनगर,बिसानी,बोरी, रैपुरा,बघवार,शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय बगरौड़,शासकीय उ.मा. विद्यालय हरदुआ खमरिया, बीरा,हरदी,खोरा,शासकीय हाईस्कूल नरदहा,चंदौरा, शासकीय बालक, कन्या एवं मॉडल उ.मा.विद्यालय अजयगढ़,शासकीय उ.मा. विद्यालय सब्दुआ एवं धरमपुर को भी परीक्षा केन्द्र निर्धारित किया गया है

परीक्षा आयोजन को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा,अनुशासन एवं व्यवस्थाओं को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं,ताकि परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराई जा सकें

खास

रिजेक्शन के बजाय सुधार पर जोर, मौके पर ही सर्वेयर ले रहे गुणवत्ता का सटीक निर्णय

किसानों को मिली बड़ी राहतः केंद्रों पर ही सफाई की व्यवस्था, खरीदी प्रक्रिया में आई तेजी

अनुराग त्रिपाठी

शहडोल। इस वर्ष उपार्जन प्रक्रिया को दोषमुक्त बनाने के लिए प्रशासन और सर्वेयर टीम द्वारा ''जीरो टॉलरेंस'' की नीति अपनाई जा रही है। केंद्रों पर तैनात सर्वेयर न केवल धान की नमी और सफाई की जांच कर रहे हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसानों को किसी भी स्तर पर असुविधा न हो। शासन की मंशा के अनुरूप, खरीदी प्रक्रिया में तकनीकी उपकरणों का उपयोग बढ़ाया गया है ताकि मानवीय हस्तक्षेप और त्रुटियों की गुंजाइश कम हो सके। आर.बी. एसोसिएट्स की टीम द्वारा की जा रही यह सघन मॉनिटरिंग जिले में सरकारी खरीदी के मानकों को एक नए स्तर पर ले जा रही है, जिससे भविष्य में भंडारण के दौरान होने वाले नुकसान की संभावना भी न्यूनतम हो गई है।

शहडोल जिले में बदली व्यवस्था की तस्वीर

शहडोल जिले के लिए यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले खरीफ सीजन में धान उपार्जन के दौरान व्यापक अनियमितताएं और अव्यवस्था देखी गई थी। विगत वर्ष एनसीसीएफ के माध्यम से एक गैर-अनुभवी निजी कंपनी को गुणवत्ता परीक्षण का जिम्मा मिला था, जिसके कारण केंद्रों पर सर्वेयरों की अनुपस्थिति और किसानों को उपज बेचने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। यहाँ तक कि भर्ती प्रक्रिया में वसूली के आरोप भी लगे थे। लेकिन इस बार मध्य प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन द्वारा चयनित नई कंपनी ने शहडोल जिले में धान उपार्जन की लगाम संभालते ही व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। जिले के प्रत्येक केंद्र पर मुस्तैद सर्वेयर अब शासन की मंशा के अनुरूप कार्य कर रहे हैं।

पारदर्शी चयन प्रक्रिया और मुस्तैद सर्वेयर

आर.बी. एसोसिएट्स ने भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म करने के लिए सर्वेयरों का चयन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पूरी तरह पारदर्शी तरीके से किया है। शिक्षा, दक्षता और कार्य अनुभव के आधार पर चयनित ये सर्वेयर अब उपार्जन केंद्रों पर धान की नमी, सफाई और रंग की विधिवत जांच कर रहे हैं। भंडारण केंद्रों पर भी दोहरे सर्वेयरों की तैनाती की गई है, ताकि केवल उच्च गुणवत्ता वाली एफ.ए.क्यू. स्तर की धान ही गोदामों तक पहुंचे और रिजेक्शन की स्थिति न बने।

खरीदी प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अनुभवी सर्वेयर मौके पर ही तत्काल निर्णय ले रहे हैं। किसानों की सहूलियत के लिए नियमों में बदलाव किया गया है; यदि धान मानक के अनुरूप नहीं पाई जाती, तो केंद्रों पर ही पंखे और छरने उपलब्ध कराए गए हैं। इससे किसान अपनी उपज को तुरंत साफ कर और नमी सुखाकर मौके पर ही बेच प रहे हैं। नमी का स्तर 17 प्रतिषत तक रख और कचरा व मिट्टी की मात्रा को नियंत्रि करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

इनका कहना है-

''मुझे जिला प्रबंधक द्वारा बिना कारण बताए हटाया गया था और कंपनी के खिलाफ गुमराह किया गया था। अब सच्चाई सामने आने पर मैं अपनी शिकायतें वापस लेता हूँ, लेकिन यह जानना जरूरी है कि प्रशासन ने मुझे किस आधार पर हटाया।''

सूरज पटेल (पीड़ित सर्वेयर)

''हमारे पास सूरज पटेल के खिलाफ कोई शिकायत नहीं थी और न ही कंपनी ने उन्हें हटाया है। ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया के कारण भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं है। ऑडियो वायरल होने या वसूली के आरोप बेबुनियाद हैं और यह कंपनी की छवि बिगाड़ने की साजिश है।''

-रजनीश कुमार कौरव
(फील्ड ऑफिसर, आर.बी. एसोसिएट्स)

अयोध्या बायपास पर पेड़ कटाई पर स्टे

सुप्रीम कोर्ट के फैसले तक NGT ने रोकी सुनवाई

भोपाल। भोपाल के अयोध्या बायपास पर हजारों पेड़ों की कटाई से जुड़े मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। नितिन सक्सेना बनाम एनएचएआई प्रकरण में एनजीटी ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक सुप्रीम कोर्ट में लंबित अपील की स्थिति साफ नहीं हो जाती, तब तक ट्रिब्यूनल इस मामले में आगे कोई सुनवाई नहीं करेगा। इस दौरान 22 दिसंबर 2025 को जारी किया गया स्थगन आदेश पूरी तरह प्रभावी रहेगा। दरअसल, 10 लेन सड़क के लिए अयोध्या बायपास पर बड़े पैमाने पर पेड़ काटे गए थे। दिसंबर में महज तीन दिनों के भीतर करीब आधे पेड़ गिरा दिए गए, जिसके बाद पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों ने जोरदार विरोध शुरू कर दिया। मामला एनजीटी तक पहुंचा और कटाई पर रोक लगा दी गई।

यह है पूरा मामला

अयोध्या बायपास को 10 लेन करने की परियोजना के तहत एनएचएआई द्वारा हजारों पेड़ों की कटाई की गई थी। शेष पेड़ों को बचाने के लिए पर्यावरण कार्यकर्ता नितिन सक्सेना ने एनजीटी में याचिका दायर की थी। इस पर 22 दिसंबर को एनजीटी ने पेड़ कटाई पर रोक लगाई थी।

सुनवाई में क्या हुआ

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता हरप्रीत सिंह गुप्ता ने ट्रिब्यूनल को बताया कि एनएचएआई ने एनजीटी के पूर्व आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। न्यायिक प्रक्रिया का हवाला देते हुए उन्होंने मांग की कि सुप्रीम कोर्ट के अंतिम निर्णय तक एनजीटी में सुनवाई स्थगित रखी जाए।

एनएचएआई का दावा, लेकिन सबूत नहीं

एनएचएआई की ओर से यह कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील वापस ले ली गई है। हालांकि, इस दावे के समर्थन में कोई लिखित या आधिकारिक दस्तावेज पेश नहीं किया जा सका।

ह्लत्र का सख्त रुख

ट्रिब्यूनल ने एनएचएआई को दो टूक निर्देश दिए कि दो दिन के भीतर अपील वापस लेने के आधिकारिक दस्तावेज पेश किए जाएं, यदि अपील वापस नहीं ली गई है, तो सुप्रीम कोर्ट के निर्णय तक एनजीटी कोई सुनवाई नहीं करेगा। एनजीटी ने साफ किया कि 22 दिसंबर 2025 का स्टे ऑर्डर अगली सुनवाई तक पूरी तरह लागू रहेगा बचे हुए हजारों पेड़ों की कटाई पर फिलहाल रोक जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

गांजा तस्कर को डेढ़ साल का कठोर कारावास

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत ने गांजा तस्करी के आरोपी को सुनवाई पूरी होने के बाद दोषी करार देते हुए डेढ़ साल के कठोर कारावास की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। यह निर्णय विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) डॉक्टर मुकेश कुमार मलिक की कोर्ट ने दिया है। मिली जानकारी के अनुसार 30 नवंबर 2017 को थाना तलैया पुलिस ने पैट्रौलिंग के दौरान मछली मार्केट इतवारा से आरोपी रोहित सौदा पुत्र जोगिंदर सौदा (31) निवासी मछली मार्केट इतवारा को उस समय दबोचा था, जब वह पुलिस की टीम को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। तलाशी लेने पर उसके पास से 4 किलो 600 ग्राम गांजा जप्त किया गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जॉच के बाद कोर्ट में चालान पेश किया। अभियोजक द्वारा पेश किये गये गवाहो और साक्ष्यो के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को गांजा की अवैध रूप से तस्करी करने का दोषी ठहराते हुए डेढ़ साल के कठोर कारावास और पांच हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है।

पति के खिलाफ पत्नि को भड़का कर पति के दोस्त ने किया दुष्कर्म

भोपाल। शाहपुरा पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर उसके पति के दोस्त के खिलाफ दुष्कर्म कर उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप लगाया है, कि आरोपी युवक ने उसे उसके पति के खिलाफ भड़का कर बहाने से शाहपुरा इलाके की एक होटल में बुलाकर उसके साथ बलपूर्वक ज्यादती की और उसका आपत्तिजनक वीडियो बनारक ब्लेकमेल करने लगा। उसकी करतूतो से परेशन होकर पीड़िता पुलिस के पास जा पहुचीं। पुलिस के अनुसार 32 वर्षीय पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया की वह कटाराहिल्स क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहती है। उसी इलाके में किराये से रहने वाले आरोपी वेदांत उर्फ मदन बजाज उसके पति को दोस्त है, जिसके चलते वह भी उसे पहचानती है। बातचीत के दौरान आरोपी युवक ने पीड़िता से कहा की उसका पति बिना उसे बताये अपनी संपत्ति बेचकर किसी व्यक्ति को दस लाख रुपये देने वाला है, और यह रकम वापस न मिलकर डूब सकती हैं। उसकी बातो में आकर विवाहिता ने अपने पति से बातचीत की जिसपर दोनो के बीच अनबन हो गई। इसके बाद आरोपी वेदांत ने महिला से पति को सबक सिखाने के लिये कुछ दिनों तक घर से दूर रहने को कहा।

लिव-इन पार्टनर से रेप का आरोपी पूर्व भाजयुमो नेता फरार

भोपाल। भाजयुमो नेता जीत निशोदे के खिलाफ उसकी लिवइन पार्टनर की शिकायत पर शाहपुरा पुलिस ने दुष्कर्म का मामला कायम किया है। प्रकरण दर्ज होने की भनक लगते ही आरोपी भुमिगत हो गया है, जिसकी धरपकड़ के पुलिस प्रयास कर रही है। पीड़िता का आरोप है, कि जीत निशोदे ने शादी का झांसा देकर करीब दो साल तक उसे अपने साथ लिवइन में रखते हुए उसका शारीरिक शोषण किया। और गर्भवती होने पर आरोपी ने शादी करने से इंकार करते हुए उसे घर से निकाल दिया। गौरतलब है की पूर्व में आरोपी जीत निशोदे का एक आपत्तिजन वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद भाजपा ने उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया था। थाना पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय पीड़िता ने अपन शिकायत में बताया की उसका लंबे समय से जीत निशोदे से संपर्क था। आरोपी पहले से शादीशुदा था, लेकिन इसके बाद भी उसने अपनी पत्नी को तलाक देने और सार्वजनिक रूप से उससे शादी करने का वादा कर नजदीकियां बढ़ाई। बाद में आरोपी ने उसे भरोसा दिलाने के लिए एक मंदिर में उसके साथ शादी भी की थी। और मार्च 2024 से अपने साथ लिवइन में रखते हुए उसका दैहिक शोषण करता रहा।

सायबर अपराधों पर मध्यप्रदेश पुलिस का कड़ा प्रहार

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सायबर अपराधों के विरुद्ध निरंतर सतर्कता एवं तकनीकी दक्षता के साथ प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। बीते एक सप्ताह के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में फर्जी ट्रेडिंग एप, डिजिटल अरेस्ट, टेलीग्राम आधारित टास्क फ्रॉड एवं ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए न केवल आरोपियों की गिरफ्तारी की गई, बल्कि आम नागरिकों को बड़ी आर्थिक क्षति से भी बचाया गया है। सायबर क्राइम में दर्ज एक प्रकरण में "FALCON TRADERS" नामक फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया गया। जांच के दौरान इंदौर के विजयनगर स्थित स्काई कॉर्पोरेट पार्क में संचालित फर्जी कॉल सेंटर पर कार्रवाई करते हुए 10 युवक एवं 10 युवतियों सहित कुल 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

भोपाल के ग्राउंड वॉटर में मिला इंदौर जैसा खतरनाक ई-कोलाई बैक्टीरिया

भोपाल। राजधानी भोपाल में पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ गई है। नगर निगम की ताजा जांच में शहर के चार पानी के सैंपल फेल पाए गए हैं। इनमें से तीन स्थानों पर वही खतरनाक ई-कोलाई बैक्टीरिया मिला है, जिसने इंदौर में हाल ही में 18 लोगों की जान ले ली थी। रिपोर्ट सामने आते ही नगर निगम हरकत में आया और प्रभावित इलाकों में भूगर्भ जल के उपयोग पर तत्काल रोक लगाने की सलाह जारी की गई।

नगर निगम द्वारा मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 250 पानी के सैंपल लिए गए थे। जांच रिपोर्ट में आदमपुर छावनी के दो स्थानों, खानू गांव के एक कुएं और बाजपेई नगर के एक नलकूप के पानी में ई-कोलाई बैक्टीरिया की पुष्टि हुई है। इसके बाद देर रात अधिकारियों ने संबंधित क्षेत्रों के रहवासियों को ग्राउंड वाटर का इस्तेमाल न करने के निर्देश दिए।

क्या है ई-कोलाई और क्यों खतरनाक?

ई-कोलाई (एशरीशिया कोलाई) आमतौर पर इंसानों और जानवरों की आंतों में पाया जाने वाला बैक्टीरिया है। इसके कुछ प्रकार नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन जब यह पीने के पानी में पाया जाता है, तो इसका मतलब होता है कि पानी मल या गंदगी से प्रदूषित है। ऐसा पानी स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक होता है।

लोगों में दहशत, स्वास्थ्य विभाग सतर्क

ई-कोलाई की पुष्टि के बाद प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोग दहशत में हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इस बैक्टीरिया से उल्टी, दस्त, पेट दर्द, बुखार, डिहाइड्रेशन, यहां तक कि किडनी फेलियर और हैजा जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों के लिए यह संक्रमण जानलेवा साबित हो सकता है।

निगम ने बंद कराए संदिग्ध जल स्रोत

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि जिन इलाकों में पानी के सैंपल फेल हुए हैं, वहां भूगर्भ जल से होने वाली सप्लाई फिलहाल बंद कर दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, खानू गांव के जिस नलकूप का पानी खराब पाया गया है, उसका उपयोग आमतौर पर पीने के लिए नहीं किया जाता, फिर भी एहतियातन उसे सील कर दिया गया है। गुरुवार से इन क्षेत्रों में वैकल्पिक जल आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी।

नागरिकों से उबालकर पानी पीने की अपील

बता दे कि एक दिन पहले तक नगर निगम का दावा था कि शहर में लिए गए 1453 सैंपलों में से कोई भी फेल नहीं हुआ है। लेकिन चार सैंपल फेल होने के बाद निगम ने सफाई दी कि यह समस्या निगम की सप्लाई लाइन की नहीं, बल्कि ग्राउंड वाटर से जुड़ी है। वहीं, शहर से हर घंटे गंदे पानी की दो शिकायतें निगम को मिल रही हैं, जिन्हें सुधारने का दावा किया जा रहा है। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि प्रभावित इलाकों में उबालकर या फिल्टर किया हुआ पानी ही इस्तेमाल करें। खुले कुएं, हैंडपंप या नलकूप का पानी न पिएं। हाथों की साफ-सफाई और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आगे की जांच के बाद अतिरिक्त कदम उठाए जाएंगे।

ओबेदुल्लागंज नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों को दो माह से नहीं मिला वेतन आर्थिक संकट से जूझ रहे सभी कर्मचारी

हरनाम सिंह ठाकुर जनचिंगारी

नगर परिषद के कई कर्मचारियों ने बताया कि पिछ्ले दो-तीन माह से उन्हें वेतन नहीं मिला है। इसके साथ ही साफ सफाई करने वाले कर्मचारियों को भी वेतन नहीं मिला है, जिससे वे परेशान हैं। वर्तमान में नगर परिषद के लगभग 100 से अधिक कर्मचारी ऐसे हैं जिन्हें तीसरा माह शुरू हो गया वेतन नहीं मिला, वे आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ब्याज से पैसे लेकर अपना गुजर बसर कर रहे हैं नगर परिषद अधिकारियों से आए दिन सैलरी की मांग कर रहे हैं परंतु कोई सुनवाई नहीं रोज नए-नए बहाने अधिकारी द्वारा मिल रहे और कई सालों से पीएफ भी जमा नहीं हुआ है ओर कर्मचारियों ने

वहीं पार्षदों सहित नेता प्रतिपक्ष और पार्षद से कहा सैलरी के लिए कर्मचारियों ने बात की परंतु आश्वासन ही मेला

कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल रहा, और सूत्रों द्वारा पता चला कि नव वर्ष पर ठेकेदारों के जमकर चेक फटे। एक वरिष्ठ कर्मचारी ने डरते डरते बताया कि ठेकेदारों के चेक कटवाने में लोक निर्माण के अफसर और बड़े अधिकारियों के चाहतें कर्मचारियों का खेल है। ओर कर्मचारियों ने बताया कि चेक काटने में 15 से 20त्न फीसदी कमीशन मिलता है, इसलिए चेक पहले ठेकेदार के काटे जा रहे हैं। पर कर्मचारियों को वेतन देने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सफाई कर्मचारी और छोटे कर्मचारी नगर परिषद के अधिकारियों से ज्यादा वेतन के मामले में बात करते हैं तो घर भागने की धमकी दी जाती है अधिकारी द्वारा ओर बताया हैं वेतन न मिलने पर नए वर्ष की खुशी नहीं मना पाए। और संक्रांति भी नहीं मना पाएंगे। कर्मचारियों ने इनसे बात की तो

उपाध्यक्ष नमिता वागिश अग्रवाल और पार्षद राजेश खटीक ने कहा कि कर्मचारी और सफाई कर्मचारियों को शीघ्र वेतन दिलाया जाएगा।

प्रशासन की शह से अवैध गतिविधियों का केंद्र बने ढाबे

दैनिक जन चिंगारी आसिफ अली /ग्वालियर। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से संचालित होने वाले अधिकांश भोजनालय ढाबे चोर बाजार की तरह चलाए जा रहे है जिनेह शासन प्रशासन के संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिला हुआ है सूत्रों की माने तो इन कथित ढावों में से अधिकांश पर शराब,शवाव ओर कबाब भी मोहिया कराया जाता है साथ ही ट्रक चालकों द्वारा ट्रकों से चोरी किया गया कीमती सामान भी इन ढावो से ओने-पोने दामों में बेचा जाता है इतना ही नहीं पेट्रोल डीजल का भी अवैध व्यापार धड़ले से बेखौफ किया जाता है जो विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत संगीन अपराध की श्रेणी में आता है इन ढाबा संचालकों की पहुंच का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इन पर कभी भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने संबंधित विभाग के लोग नहीं पहुंचते क्योंकि इनमें से अधिकांश ढावे किसी न किसी राजनीतिक दल से संबंधित व्यक्ति द्वारा संचालित है या फिर स्थानीय दबंग के हैं कुल मिलाकर इन अवैध कार्यों में स्थानीय पुलिस खाद्य विभाग वाणिज्य कर विभाग के जिम्मेदारों की संदिग्ध भूमिका पर सवाल खड़े होते हैं और इन अवैध गतिविधियों में जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारियों की संलिप्ता समाज के बीच लाना जरूरी है जिससे इस प्रकार के क्रियाकलापों को रोक लगाई जा सके

विस्थापितों को समान पुनर्वास लाभ देने की उठी मांग

सिंगरौली -जन चिंगारी। मोरवा शहर में प्रस्तावित विस्थापन एवं पुनर्वास योजना को लेकर प्रभावित परिवारों में असंतोष व्याप्त है। विस्थापित परिवारों ने कलेक्टर सिंगरौली से मिलकर मांग की है की एनसीएल से सभी प्रभावित परिवारों को समान विस्थापन एवं पुनर्वास लाभ प्रदान कराएं जाएँ। प्रभावित परिवारों का कहना है कि वर्तमान प्रस्तावित पुनर्वास योजना में पट्टाधारित एवं गैर-पट्टाधारित परिवारों के बीच विस्थापन राशि एवं प्लॉट राशि में बड़ा अंतर रखा गया है। प्रस्ताव के अनुसार गैर-पट्टाधारित परिवारों को 5 लाख विस्थापन राशि एवं 6 लाख प्लॉट राशि, जबकि पट्टाधारित परिवारों को 15 लाख विस्थापन राशि एवं 18 लाख प्लॉट राशि दिए जाने का प्रावधान है। परिवारों का तर्क है कि दोनों श्रेणियों के लोग दशकों से एक ही क्षेत्र में निवास कर रहे हैं और विस्थापन से समान रूप से प्रभावित हो रहे हैं। केवल भूमि के कागजी स्वरूप के आधार पर पुनर्वास लाभों में भेदभाव करना सामाजिक असंतोष को जन्म दे रहा है।

प्रभावितों ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से संबंधित केंद्रीय अधिनियम, 2013 के अंतर्गत प्रभावित परिवार की परिभाषा निवास और आजीविका के आधार पर की गई है, न कि केवल पट्टे के आधार पर। अधिनियम की द्वितीय अनुसूची सभी प्रभावित परिवारों को समान आवास, विस्थापन भत्ता एवं पुनर्वास सुविधाएँ देने की व्यवस्था करती है। इसके साथ ही संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 समानता एवं गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्रदान करते हैं, जबकि अनुच्छेद 300 ए संपत्ति और आश्रय से वंचित किए जाने की स्थिति में न्यायोचित प्रक्रिया की अपेक्षा करता है। परिवारों ने यह भी याद दिलाया कि वर्ष 2011 में एनसीएल जयंत परियोजना विस्तार के दौरान हुए विस्थापन में पट्टाधारित एवं गैर-पट्टाधारित सभी परिवारों को 8,08,000 की समान विस्थापन राशि प्रदान की गई थी, जिससे पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं संतोषजनक रही। बुधवार शाम जिला कलेक्टर से मिलने पहुँचे प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी विस्थापित परिवारों को समान विस्थापन राशि प्रदान की जाए।

रात के अंधेरे में कानून का साहस- हरदा में दबंग महिला अधिकारी तावड़े ने अवैध रेत माफिया पर की ताबड़तोड़ कार्रवाई...

दैनिक जन चिंगारी रामकिशन

हरदा जिले में अवैध रेतङ्गबजरी उत्खनन और परिवहन के विरुद्ध चल रही प्रशासनिक कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि जब इच्छाशक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और साहस एक साथ हों, तो कानून के आगे कोई भी माफिया टिक नहीं सकता। विशेष रूप से तब, जब इस कार्रवाई की अगुवाई एक महिला अधिकारी कर रही हों—वह भी रात के एक बजे, नदी के बीच, खतरनाक हालातों में। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देश एवं जिला खनिज अधिकारी प्रगति सोनवाने के मार्गदर्शन में खनिज विभाग हरदा द्वारा लगातार अवैध खनन पर सख्त रुख अपनाया जा रहा है। इसी क्रम में 7 जनवरी 2026 की रात ग्राम खुदिया/पिपलिया, तहसील सिराली स्थित नदी में रेतङ्गबजरी चोरी की सूचना ग्रामीणों ने खनिज प्रभारी निरीक्षक मनीषा तावड़े को दी। सूचना मिलते ही उन्होंने बिना किसी विलंब के स्वयं मौके पर पहुंचने का निर्णय लिया। रात का समय, नदी क्षेत्र, भारी मशीनरी और खनिज माफिया की मौजूदगी—ये सभी परिस्थितियां किसी भी अधिकारी के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं, और महिलाओं के लिए यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। बावजूद इसके, तावड़े ने न केवल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया, बल्कि अवैध गतिविधियों पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई भी की। निरीक्षण के दौरान नदी से जेसीबी मशीन द्वारा रेतङ्गबजरी का उत्खनन कर ट्रैक्टरों में भरते हुए पाया गया। कानून का पालन सुनिश्चित करते हुए उन्होंने मौके से 4 ट्रैक्टर और 1 जेसीबी मशीन जप्त कर थाना सिराली की सुपुर्दगी में सौंपने की कार्रवाई की।

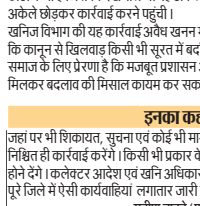

यह कार्रवाई केवल अवैध खनन के खिलाफ कदम नहीं, बल्कि महिला अधिकारियों की कार्यक्षमता, निर्भीकता और नेतृत्व क्षमता का सशक्त उदाहरण है। ऐसे समय में जब महिला सुरक्षा को लेकर प्रश्न उठते हैं, वहीं मनीषा तावड़े जैसी अधिकारी यह संदेश देती हैं कि महिलाएं न केवल प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभा सकती हैं, बल्कि सबसे कठिन परिस्थितियों में भी कानून का पालन करवा सकती हैं। जानकारी के मुताबिक महिला अधिकारी तावड़े का एक 6 साल का छोटा बच्चा है जिसकी देखभाल भी वह अकेले करती है। देर रात में बच्चे कों अकेले छोड़कर कार्रवाई करने पहुंची।

खनिज विभाग की यह कार्रवाई अवैध खनन माफियाओं के लिए स्पष्ट चेतावनी है कि कानून से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही यह समाज के लिए प्रेरणा है कि मजबूत प्रशासन और साहसी महिला अधिकारी मिलकर बदलाव की मिसाल कायम कर सकते हैं।

इनका कहना

जहां पर भी शिकायत, सुचना एवं कोई भी मामला हमारे संज्ञान में आएगा तो हम निश्चित ही कार्रवाई करेंगे। किसी भी प्रकार के खनिज का अवैध कारोबार नहीं होने देंगे। कलेक्टर आदेश एवं खनि अधिकारी प्रगति सोनवाने के निर्देशानुसार पूरे जिले में ऐसी कार्यवाहियां लगातार जारी रहेगी।

मनीषा तावड़े (प्रभारी निरीक्षक)खनिज शाखा, हरदा

नकल करते पकड़े गए तो रद्द होगा पूरा रिजल्ट

बोर्ड परीक्षा में सख्ती के कड़े निर्देश, माध्यमिक शिक्षा मंडल ने जारी किया आदेश

भोपाल। आगामी बोर्ड परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नकल के मामलों पर कड़े निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा के दौरान नकल करते पकड़े जाने के साथ यदि कोई परीक्षार्थी शिक्षक, केंद्राध्यक्ष या परीक्षा ड्यूटी में लगे कर्मचारियों से बदतमीजी या उद्दंड व्यवहार करता है, तो उसका संपूर्ण परीक्षाफल निरस्त किया जा सकता है। मंडल के इस आदेश से नकल करने और कराने वालों में हडकंप मच गया है।

मंडल द्वारा सभी प्राचार्यों, मूल्यांकन अधिकारियों और परीक्षा केंद्राध्यक्षों को जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में नकल प्रकरणों के लिए अलग-अलग स्तर की कार्रवाई तय की गई है। यदि किसी परीक्षार्थी से एक विषय में नकल सामग्री बरामद होती है, वह चिट निगल लेता है, उत्तर पुस्तिका बदलता या फाड़ देता है, उत्तर पुस्तिका लेकर भाग जाता है, और उस विषय में नकल प्रमाणित होती है, तो उस विषय की परीक्षा निरस्त कर परीक्षाफल में 'कैंसिल' दर्ज किया जाएगा। एक से अधिक विषयों में नकल प्रमाणित होने अथवा किसी एक या एक से अधिक विषयों में नकल के साथ उद्दंडता पाए जाने पर छात्र की सभी विषयों की परीक्षा और पूरा परीक्षाफल निरस्त कर दिया जाएगा। मंडल ने यह भी स्पष्ट किया है कि नकल प्रकरण दर्ज होने की स्थिति में संबंधित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं कराया जाएगा।

सामूहिक नकल पर पूरे केंद्र पर कार्रवाई

परीक्षा के दौरान यदि कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, केंद्राध्यक्ष या निरीक्षण दल द्वारा किसी परीक्षा केंद्र पर एक या अधिक विषयों में सामूहिक नकल की रिपोर्ट दी जाती है और जांच में इसकी पुष्टि होती है, तो उस केंद्र के सभी संबंधित छात्रों की संपूर्ण विषयों की परीक्षा और परीक्षाफल निरस्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक या परीक्षा कार्य में संलग्न किसी भी कर्मचारी की लापरवाही या सामूहिक नकल में सहयोग सामने आने पर जांच के बाद उन्हें आगामी पांच वर्षों तक मंडल के परीक्षा कार्यों से वंचित किया जाएगा।

एक जैसी भाषा शैली भी मानी जाएगी सामूहिक नकल

मूल्यांकन के दौरान यदि किसी परीक्षा केंद्र की कम से कम 10 उत्तर पुस्तिकाओं में एक-तिहाई उत्तर एक जैसी भाषा शैली, समान तरीके और एक जैसी प्रस्तुति में लिखे पाए जाते हैं, भले ही प्रश्नपत्रों का क्रम बदला हुआ हो, तो इसे सामूहिक नकल की श्रेणी में रखा जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित छात्रों की अन्य विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं की भी जांच की जाएगी और सामूहिक नकल सिद्ध होने पर परीक्षाफल निरस्त किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सरल भदौरिया द्वारा जेयन आफसेट, पुलबोगदा भोपाल से मुद्रित एवं एफ-94/11, तुलसी नगर, भोपाल से प्रकाशित। ✦ संपादक सरल भदौरिया, ✦ कार्यकारी संपादक-शिशुपाल सिंह तोमर (आर.एन.आई. क्र. 52009/90)
कार्यालय: एफ-94/11, तुलसी नगर भोपाल पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार किसी विवाद के लिये न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. नं. 9826074281 फैक्स : 0755-2557558 Email ID: bhadoria.saral@gmail.com